RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 02, अंक 09 मासिक पत्रिका
25 सितम्बर 2023

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

जी-20... विश्व मंच पर बढ़ी साख

शिखर पर भारत...

जी-20 से क्यों बाहर पाक...

सुनक का दामाद जैसा स्वागत...

वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघनम कुरु मे देव, सर्वकार्येषु सर्वदा ।।

अर्थात : हे घुमावदार सूंड वाले, महाविशाल शरीर वाले है, करोड़ो सूर्यो के समान जगतमान है। हे देव, आप सदैव मेरे सभी कार्य बिना किसी विघ्न के पूर्ण करें, मुझ पर अपनी कृपा कीजिये।

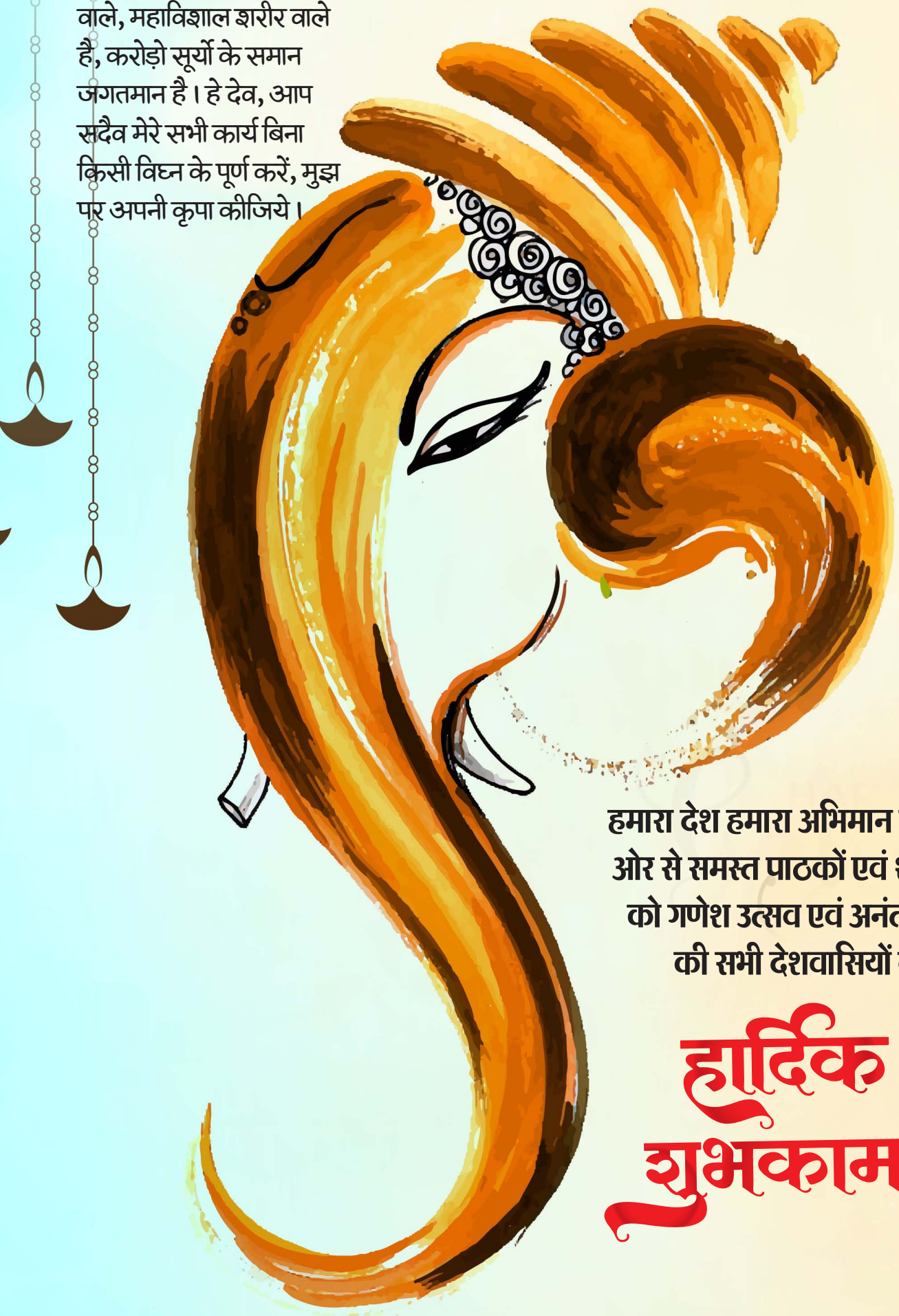

हमारा देश हमारा अभिमान परिवार की ओर से समस्त पाठकों एवं शुभचिंतकों को गणेश उत्सव एवं अनंत चतुर्दशी की सभी देशवासियों को...

हार्दिक शुभकामनाएं

हमारा देश
हमारा अभिमान

25 सितम्बर 2023

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडो कमल किशोर (पूर्व सांसद)

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार
- रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- प्रदीप यादव

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील
- हरशूल

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
देश-प्रदेश	06-07
देश	08-09
देश	10-11
उप्र	12
राजस्थान	11
प्रदेश	12
रिकॉर्ड	13
देश	14
हमारा ग्वालियर	14-22
राजस्थान	23
जन्माष्टमी विशेष	24-25
राजस्थान	20-21
राजस्थान	22-23
प्रदेश	26
गौरव	27
देश	28-29
प्रदेश	30-31
हमारा ग्वालियर	32
प्रदेश	34-35
देश-विदेश	37
सेहत	40-41
धर्म	42-43
ग्लैमर	46-47

48

बूढ़ा हो गया हूं इस लिए वेलकम-3 में नहीं लिया

संपादकीय

दोस्तों नमस्कार! क्या आप जानते हैं आपकी ज़िम्मेदारी क्या है?

प्रदेश में विधासभा के चुनाव जल्दी ही होने वाले हैं। राजनीतिक पार्टियां अपना काम कर रही हैं। प्रशासन अपना काम कर रहा है। आपके मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद, सरपंच अपना काम कर रहे हैं लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या आप अपना काम कर रहे हैं। आपके मन में ये सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आपका काम आखिर है क्या? असल में सरकार और प्रशासन के बाद आपकी भूमिका, आपका काम सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। उदाहरण के लिए यदि आपके यहां सड़क उखड़ गई है, नलों में पानी तय समय पर नहीं आया है, कचरा वक्त पर नहीं उठाया जाया है, तो वो आप ही हैं जो अपने जन प्रतिनिधि या संबधित अधिकारी को आगाह करते हैं। असल में यही आपका महत्पूर्ण काम है। यदि हम अपने काम को सही तरह से अंजाम नहीं देंगे तो सम्भव है व्यवस्था बिगड़ती जाए और फिर पानी सर से ऊपर निकल जाए। और फिर आप ही सरकार और प्रशासन को कोसते हुए भी नज़र आते हैं। लब्बोलुआब यह है कि हम अपनी ज़िम्मेदारी समझे और सिर्फ आरोप लगा कर बरी न हो जाएं...और हां अपना और अपने परिवार का ख़्याल रखना भी आपकी ही ज़िम्मेदारी है।

शुभकामनाओं सहित

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

विस चुनाव... स्वयं भी मतदान करें एवं दूसरों को भी मतदान की सलाह दें

प्रिय पाठकों

पांच राज्यों मै विधान सभा के चुनाव का शंख नाद जल्दी होने जा रहा है।

और यह पर्व बहुत महत्वपूर्ण पर्व होता है। यह राष्ट्रीय पर्व होता है। इस पर्व पर सभी की जिम्मेदारी रहती है कि, हम इस राष्ट्रीय पर्व को बड़ी धूम धाम से और अपने दायित्वों और जिम्मेदारी के साथ ईमानदारी से मनाए।

इस पर्व पर आपके एक मत से पांच वर्ष ही नहीं आगे के पीढ़ियों के लिए भी खुशी से जीवन जीने ,अच्छी शिक्षा,सुरक्षा ,आदि आदि की गारंटी लेते हुए अच्छे जीवन का मार्ग प्रदस्त करता है। इसलिए आप इस पर्व पर अपने मत का प्रयोग जरुर करे और मतदान अवश्य करे। यह कतई नहीं सोचे की अगर मै नही गया मतदान के लिए तो एक मत से क्या फर्क पड़ेगा। पड़ता है यही नहीं एक मत से ही हार जीत का निर्णय भी हो जाता है।

इसलिए मतदान स्वयं करे और सभी लोगो से भी कराए।

साथ ही इस त्योहार को। जिम्मेदारी के साथ, खुशी पूर्वक मनाए।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

शिखर पर भारत

जी-20... विश्व मंच पर बढ़ी साख

सर्वसम्मति ने साबित कर दी भारत के कूटनीतिक नेतृत्व की क्षमता

जी-20 सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणा पत्र पर बनी सर्वसम्मति ने यह साबित कर दिया कि भारत वैश्विक कूटनीति का नेतृत्व करने में पूरी तरह से सक्षम है और दुनिया में शिखर पर है भारत। अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल करने और ग्लोबल साउथ के देशों के हितों का मुद्दा उठाकर भारत ने वैश्विक जगत में अपना कद ऊंचा किया है।

यह भारतीय कूटनीति एवं विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता है कि भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में जारी घोषणापत्र के सभी 83 बिंदुओं पर सर्वसम्मति से मुहर लग गई। रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर साझा घोषणापत्र पर सहमति बनाना एक बड़ी चुनौती था, लेकिन भारत ने तर्क दिया कि जी-20 को यूक्रेन में जारी युद्ध का मंच न बनाया जाए, क्योंकि विकासशील देशों के समक्ष प्रमुख मुद्दा आर्थिक संकट का है। इस तरह इसमें यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए वहां समग्र व स्थायी शांति सुनिश्चित करने की बात तो कही गई, लेकिन रूस की आलोचना नहीं की गई है।

हालांकि प्रधानमंत्री ने फिर से दोहराया कि यह युद्ध का समय नहीं है। घोषणा पत्र में परमाणु हमलों, परमाणु हमले की धमकी का जिक्र करने के साथ आह्वान किया गया कि सभी देश अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करते हुए दूसरे देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करें, ताकि शांति व स्थिरता सुनिश्चित हो सके। असल में, अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने इस बार थोड़ी नरमी दिखाई है, क्योंकि उनके द्वारा हथियार दिए जाने के बावजूद यूक्रेन कुछ नहीं कर पा रहा है, जबकि रूस अब भी प्रभावी है।

नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए भी अहम है कि पिछले नौ महीनों के दौरान जितनी भी जी-20 की मंत्रिस्तरीय बैठकें हुईं, उनमें साझा घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया था। लेकिन इस घोषणा पत्र में पिछले नौ महीनों के दौरान भारत की ओर से रखे गए लगभग सभी प्रस्तावों को शामिल किया गया है, जिस पर सबने सहमति जताई है।

इस सम्मेलन की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि भारत ने अफ्रीकी देशों के संगठन अफ्रीकी संघ को जी-20 का सदस्य बनाने की जो पहल की, उसमें भी उसे सफलता मिली। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय मामलों में इन देशों का समर्थन हासिल करने और वहां अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद मिलेगी। अफ्रीकी संघ 55 देशों का समूह है, जिसकी आबादी करीब डेढ़ अरब है। यह एक बहुत बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र है, जहां भारतीय उत्पादों को बाजार मिल सकता है।

वास्तव में बाली शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ के प्रेसिडेंट ने स्थायी सदस्यता की मांग उठाई थी, तो हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें कहा था कि हम आपसे वादा करते हैं कि अगली बार आपको इसमें शामिल किया जाएगा और इस बार अफ्रीकी संघ को जी-20 समूह में शामिल किया गया। अफ्रीकी संघ को बहुत देर से जी-20 की सदस्यता मिली है, यह दस साल पहले हो जाना चाहिए था। असल में पहले जितनी संस्थाएं बनीं, उसमें पश्चिमी देशों का वर्चस्व रहा, इसलिए अफ्रीका को बाहर रखा गया था। जी-20 में अफ्रीकी संघ को शामिल करना स्वागत योग्य कदम है।

इसके अलावा, भारत ने ग्लोबल साउथ यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील एवं गरीब देशों के हितों का ध्यान रखने का मुद्दा उठाया, उसे भी स्वीकार किया गया। इसके पीछे असली बात यह है कि भारत और चीन के बीच इस बात की प्रतिद्वंद्विता चल रही है कि ग्लोबल साउथ का नेता कौन? भारत तो हमेशा से ग्लोबल साउथ के हितों की बात कर रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन तो भारत ने ही शुरू किया, चीन ने तो किया नहीं। हम तो विकासशील एवं गरीब देशों के पुराने समर्थक रहे हैं। चूंकि चीन के पास बहुत पैसा है, इसलिए इधर वह कर्ज देकर ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व करना चाहता है। इसके कारण चीन का प्रभाव ग्लोबल साउथ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। लेकिन भारत ने इस सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के हितों का मुद्दा उठाकर चीन की विस्तारवादी नीति को करारी मात देते हुए बढ़त बना ली है।

इस घोषणापत्र में सिर्फ चीन को ही सख्त संदेश नहीं दिया गया है, बल्कि पाकिस्तान के लिए भी सख्त संदेश है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा बताया गया है। घोषणापत्र के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर एक समग्र दृष्टिकोण ही आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। इसमें कहा गया है कि आतंकवादी समूहों को सुरक्षित आश्रय, संचालन की स्वतंत्रता, आवाजाही और रंगरूटों की भर्ती के साथ-साथ वित्तीय, भौतिक या राजनीतिक मदद रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, इस सम्मेलन में अमेरिका सहित कई देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय समझौते हुए हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है-भारत से पश्चिम एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा बनाए जाने की घोषणा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस आर्थिक गलियारे की घोषणा करते हुए कहा कि इससे वैश्विक बुनियादी ढांचे, निवेश के लिए साझेदारी, आवाजही और सतत विकास को नई दिशा मिलेगी। वैश्विक ढांचे पर निवेश के लिए साझेदारी (पीजीआईआई) के जरिये ग्लोबल साउथ देशों में बुनियादी ढांचे की खाई को पाटने में बड़ी मदद मिल सकती है। इस कॉरिडोर के निर्माण में भारत, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली और जर्मनी की साझेदारी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इस गलियारे के प्रमुख हिस्से के रूप में हम जहाजों एवं रेलगाड़ियों में निवेश कर रहे हैं।

भारत ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की शुरुआत करते हुए सभी देशों से इससे जुड़ने का आह्वान किया। इसका उद्देश्य जलवायु खतरों से निपटने के लिए हरित ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। अगर यह सफल हो जाता है, तो न केवल जीवाश्म ईंधन से छुटकारा मिलेगा, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिलेगी। भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर सफल रहा है, जिसे वैश्विक स्तर पर लागू करने के लिए जी-20 के राष्ट्राध्यक्ष सहमत हो गए हैं।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 सम्मेलन की सफलता ने यह साबित कर दिया कि भारत वैश्विक कूटनीति का नेतृत्व करने में पूरी तरह से सक्षम है। अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल करने और ग्लोबल साउथ के देशों के हितों का मुद्दा उठाकर भारत ने वैश्विक जगत में अपना कद ऊंचा किया है। सम्मेलन में सामाजिक-आर्थिक विकास, हरित ऊर्जा से लेकर वैश्विक खाद्य संकट एवं वैश्विक आर्थिक संस्थानों के संचालन ढांचे पर भारत के पक्ष को स्वीकृति मिली है।

G20 की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन...

भाजपा मुख्यालय में हुआ भव्य स्वागत, स्वीकार किया लोगों का अभिवादन

वैश्विक आयोजन के समापन के बाद अब भाजपा आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों पर विचार-विमर्श करेगी। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा सीईसी के सदस्य हैं।

बुधवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां मौजूद लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह के अलावा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया।मुख्यालय में प्रवेश करते ही प्रत्येक नेता ने प्रधानमंत्री को एक गुलाब दिया। वह केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। यह जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के बाद उनकी पहली बैठक है। जी20 की बैठक के लिए विश्व के प्रमुख नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी का दौरा किया था।

वैश्विक आयोजन के समापन के बाद अब भाजपा आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों पर विचार-विमर्श करेगी। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा सीईसी के सदस्य हैं। बैठक का एजेंडा छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश पर केंद्रित रहने वाला है। बैठक में दोनों राज्यों में चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम तय किए जा सकते हैं।

सीईसी की पिछली बैठक अगस्त में हुई थी और मध्य प्रदेश में 39 और छत्तीसगढ़ में 21 सीटों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया गया था। ये उन सीटों के लिए थे जहां बीजेपी के मौजूदा विधायक नहीं हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, जो 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले राज्य चुनाव का आखिरी दौर है। इनमें से मध्य प्रदेश में बीजेपी सत्ता में है और उसकी सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट मिजोरम में सरकार चलाती है।

फिर भी जी-20 से क्यों बाहर पाकिस्तान

जी 20 में पाकिस्तान का शामिल न हो पाना उसकी कूटनीतिक असफलता भी है। हालांकि, पाकिस्तान मूकदर्शक नहीं रहा है। इसने कश्मीर जैसे क्षेत्रों में G20 गतिविधियों के खिलाफ सक्रिय रूप से पैरवी की। 1999 में स्थापित जी20 दुनिया की 19 सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ को एक साथ लाता है। इस गठन के पीछे मुख्य उद्देश्य वैश्विक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। आज, जबकि कई देश इस प्रभावशाली समूह में स्थान पाने की होड़ में हैं, पाकिस्तान उनमें से नहीं है। हालाँकि, क्या यह केवल आर्थिक कारकों के कारण है या इसमें अन्य कारक भी शामिल हैं?

जब जी20 का उद्घाटन हुआ, तो इसने शीर्ष 19 अर्थव्यवस्थाओं को चुना, जिनमें पाकिस्तान शामिल नहीं था। आर्थिक प्रगति करने और कश्मीर जैसे क्षेत्रों में जी20 आयोजनों के खिलाफ पैरवी करने की हरकतों के बाद पाकिस्तान के प्रयास सदस्यता में तब्दील नहीं हो सके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान की आपत्तियों के बावजूद, अपने सभी क्षेत्रों में जी20 कार्यक्रम आयोजित करने का भारत का निर्णय उसकी मजबूती

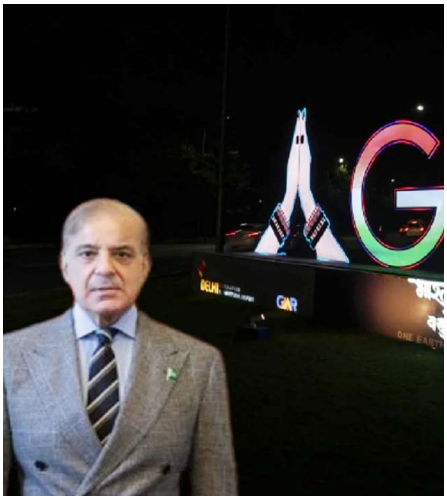

को दर्शाता है। ऐतिहासिक संदर्भ और गठन : बदलती आर्थिक गतिशीलता को देखते हुए 1999 में जी20 की परिकल्पना समयानुकूल थी। जबकि इसने शीर्ष 19 अर्थव्यवस्थाओं को लक्षित किया, पाकिस्तान की रैंक ने इसे शामिल होने से रोक दिया। राजनीतिक स्थिरता के साथ देश के अशांत इतिहास ने भी इसके पक्ष में काम किया, जिससे इसकी G20 संभावनाएं और भी कम हो गईं। पाकिस्तान का इसको लेकर हमेशा एक खीज और गुस्सा रहा है कि आखिर हम इसका हिस्सा क्यों नहीं हैं।

पाकिस्तान की कूटनीतिक असफलता

जी20 में पाकिस्तान का शामिल न हो पाना उसकी कूटनीतिक असफलता भी है। हालांकि, पाकिस्तान मूकदर्शक नहीं रहा है। इसने कश्मीर जैसे क्षेत्रों में G20 गतिविधियों के खिलाफ सक्रिय रूप से पैरवी की। चीन, मिस्र और ओमान जैसे देशों से समर्थन पाकर पाकिस्तान ने अपनी चिंताएँ व्यक्त कीं। वैसे पाकिस्तान का चीन के पाले में जाना भी इसकी एक बड़ी वजह है। भारत और अमेरिका मिलकर उसका विरोध करते हैं। जबकि वो चीन के साथ रहकर अकेला हो गया।

भारतीय संस्कृति और परम्पराओं की श्रेष्ठता को दर्शाता है

सुनक का दामाद जैसा स्वागत

ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के लगभग साल भर बाद भारत के पहले दौरे पर पहुँचे ऋषि सुनक के स्वागत के लिए खासतौर पर भारत में उत्साह दिखा। एक तो ऋषि सुनक भारतीय मूल के हैं दूसरा उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति भारत के मशहूर उद्योगपति नारायण मूर्ति की बेटी हैं, तीसरा ऋषि सुनक अपने हिंदुत्व पर गर्व करते हैं और सनातन धर्म में गहरी आस्था रखते हैं और चौथा उनके दिल में भारत के लिए विशेष स्थान भी है। पिछले साल दीवाली पर जब ऋषि सुनक ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तब उनका देश अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर लगातार परेशानियां झेल रहा था लेकिन ऋषि सुनक ने अपने सूझबूझ वाले नेतृत्व के चलते हालात को जल्द ही संभाल लिया। इसके अलावा चाहे रूस-यूक्रेन का मुद्दा हो या अन्य कोई वैश्विक चुनौती, सभी पर ऋषि सुनक आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए मुद्दों का हल तलाशते हुए दिखाई देते हैं। शुक्रवार को जब वह अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ दिल्ली पहुँचे तो हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस और वरिष्ठ राजनयिकों ने स्वागत किया। हवाई अड्डे पर जय सियाराम कह कर उनका स्वागत किया गया जिसके जवाब में उन्होंने भी जय सियाराम कहा।

हम आपको बता दें कि इस सप्ताह की शुरुआत में एक साक्षात्कार में ब्रिटेन के भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा था कि ब्रिटेन और भारत के बीच संबंध दोनों देशों के भविष्य को परिभाषित करेंगे। इसके साथ ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने 'भारत का दामाद' बताए जाने के संदर्भ का हवाला देते हुए मजाकिया लहजे में कहा कि जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए नयी दिल्ली का उनका दौरा ''बहुत खास'' है। हम आपको याद दिला दें कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति सुनक की शादी अक्षता मूर्ति से हुई है। नयी दिल्ली की अपनी उड़ान में पत्रकारों से बातचीत में ऋषि सुनक (43) ने कहा कि वह भारत आने को लेकर उत्साहित हैं ''एक ऐसा देश जो मेरे लिए बहुत करीब और प्रिय है।'' इस यात्रा में सुनक के साथ उनकी पत्नी और इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी भी शामिल हैं। सुनक का शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता का कार्यक्रम है।

सुनक ने तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना होने से पहले 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''मैं स्पष्ट फोकस के साथ जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहा हूं। वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करना है। अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाना है। सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करना है।'' सुनक ने अपने साथ यात्रा कर रहे संवाददाताओं से कहा, ''यह बहुत खास है। मैंने कहीं देखा कि मुझे भारत के दामाद के रूप में संदर्भित किया गया था, मुझे उम्मीद है कि यह प्यार से कहा गया होगा।'' हम आपको बता दें कि शिखर वार्ता के दौरान ब्रिटेन के एजेंडे में रूस-यूक्रेन संघर्ष को एक प्रमुख विषय के रूप में चिह्नित किया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय 'डाउनिंग स्ट्रीट' ने कहा कि भारत की भूमिका और प्रभाव ''महत्वपूर्ण'' है।

सुनक ने संवाददाताओं से कहा, ''एक बार फिर, व्लादिमीर पुतिन जी20 में अपना चेहरा दिखाने में विफल हो रहे हैं। वह अपने खुद के राजनयिक निर्वासन के वास्तुकार हैं, अपने राष्ट्रपति महल में अलग-थलग रहे हैं और आलोचना और हकीकत को रोक रहे हैं। इस बीच, जी20 के बाकी सदस्य यह प्रदर्शित कर रहे हैं हम आगे आएंगे और पुतिन की हार के लिए मिलकर काम करेंगे।'' इस बीच, 'डाउनिंग स्ट्रीट' के प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन को लेकर अपना समर्थन दिखाने के लिए ''हर अवसर'' का उपयोग करेगा और साथ ही वैश्विक समर्थन को भी बढ़ावा देगा।

G-20 बैठक में हुए एमओयू साइन

भारत-सऊदी के बीच हुआ पावर ग्रिड कनेक्शन सहित अनेक बड़े करार...

भारत और सऊदी अरब के बीच G20 में बड़ा करार हुआ है। दोनों देशों के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान एनर्जी सेक्टर सहित अनेक एमओयू साइन हुए है।

दोनों देश में यह भी तय हुआ है कि समुद्र के नीचे से पावर ट्रांसमिशन बिछाया जाएगा। सऊदी अरब और भारत के बीच पावर ग्रिड का कनेक्शन के लिए भी करार हुआ है। इस एमओयू के साथ ही रिन्यूबेल एनर्जी और इलेक्ट्रिसिटी को लेकर भी करार हुआ है। दोनों देशों के बीच हाइड्रोजन, स्टोरेज और तेल-गैस में आपसी निवेश बढ़ाने के लिए करार हुआ है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ अपनी बातचीत के दौरान कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच रणनीतिक साझेदारी क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। सऊदी अरब को भारत के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष बदलते समय के साथ संबंधों में नए आयाम जोड़ रहे हैं।

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने सऊदी और भारत के बीच हुई वार्ता पर कहा कि स्टार्टअप और युवाओं को शामिल करने के लिए दोनों देशों में निवेश सुविधा केंद्र खोले जाएंगे

बता दें कि भारत-सऊदी रक्षा सहयोग पर एएनआई द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में, विदेश मंत्रालय के सचिव (सीपीवी और ओआईए) औसाफ सईद ने कहा, 'मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि इस यात्रा के दौरान आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमारे बीच रक्षा सहयोग चल रहा है जो बहुत अच्छा चल रहा है। हम पहले ही संयुक्त नौसैनिक अभ्यास के दो दौर आयोजित कर चुके हैं।अब हम इन संयुक्त अभ्यासों को नौसेना के अलावा अन्य क्षेत्रों में ले जाने की संभावना तलाश रहे हैं।

इसके फाइनेंस और मार्गदर्शन के लिए केंद्र पूंजीपतियों को शामिल करेगा। अगले 6 महीने में स्थापित होगी परियोजना, वाणिज्य मंत्रालय देगा पूरा सहयोग। भारत ने G20 की अध्यक्षता और दिल्ली डिक्लेरेशन पर देश में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत अब्दुल नासिर अल शाली ने कहा, 'भारत में G20 की अध्यक्षता बहुत सफल रही। आप इसकी सफलता को G20 सम्मिट के मौके पर हुई सभी द्विपक्षीय, त्रिपक्षीय और बहुपक्षीय बातचीत से देख सकते हैं। डिक्लेरेशन पर जो सर्वसम्मति बनी उसके लिए प्रक्रिया काफी समय पहले शुरू हो गई थी। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि घोषणा-पत्र भारत की अध्यक्षता में जी-20 के योग्य डिक्लेरेशन हो।''

सऊदी के क्राउन प्रिंस बिन सलमान ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा कि 'भारत-सऊदी अरब रिश्ते के इतिहास के दौरान कोई असहमति नहीं थी, लेकिन हमारे देश के भविष्य के निर्माण और अवसर पैदा करने के लिए सहयोग के लिए तैयार हैं। आज हम भविष्य के अवसरों पर काम कर रहे हैं। मैं आपको G20 सम्मिट के मैनेजमेंट और मिडिल ईस्ट,भारत और यूरोप को जोड़ने वाले इकोनॉमिक कॉरिडोर सहित हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं, जिसके लिए आवश्यक है कि हम इसे बनाने के लिए लगन से काम करें।

सकारात्मक मीडिया से होगा सुंदर दुनिया का निर्माण : प्रो. द्विवेदी

शुभारंभ सत्र में सांसद डा. भोला सिंह, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के पूर्व कुलपति प्रो.मान सिंह परमार, ब्रम्हकुमारीज मीडिया विंग के अध्यक्ष बीके करुणा,डा. बीके निर्मला, बीके सरला, बीके रंजन, बीके शांतनु भी मौजूद रहे।

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा है कि 'स्वर्णिम विश्व' के निर्माण में 'सकारात्मक मीडिया' की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लोकमंगल और विश्व कल्याण की दिशा में कार्य करना चाहिए। प्रो. द्विवेदी आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया कांफ्रेंस के शुभारंभ सत्र में 'वैश्विक शांति और सद्भावना के लिए सशक्त मीडिया' विषय पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम चार दिन चलेगा, जिसमें मीडिया पर केंद्रित अनेक विषयों पर विमर्श होगा।

शुभारंभ सत्र में सांसद डा. भोला सिंह,कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर के पूर्व कुलपति प्रो.मान सिंह परमार, ब्रम्हकुमारीज मीडिया विंग के अध्यक्ष बीके करुणा,डा. बीके निर्मला, बीके सरला, बीके रंजन, बीके शांतनु भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन (की नोट स्पीच) करते हुए *प्रो. द्विवेदी* ने कहा कि समाज में मूल्यों के पतन को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है और मीडिया इस कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि पारिवारिक, सामाजिक और शैक्षिक मूल्यों को फिर से स्थापित करने की आवश्यकता है। मीडिया की भूमिका केवल मनोरंजन और सूचना के प्रसार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक मूल्यों को स्थापित करने की भी है।

प्रो. द्विवेदी के अनुसार अपनी संस्कृति का गुणगान करने के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि हम इसे बचाने के लिए भी आगे आएं। मीडिया का काम है सही की सराहना करना, कमियों को उजागर करना और साथ ही समाधान पेश करना, जिससे मीडिया का एक सकारात्मक रूप दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि मीडिया शक्तिशाली और जिम्मेदार है। उसे यह सोचना होगा कि वह समाज को क्या देना चाहता है। साथ ही उसे ये भी ध्यान रखना होगा कि उनके समाचार का क्या प्रभाव समाज पर पड़ रहा है।

सांसद डा.भोला सिंह ने कहा कि राजनेताओं और पत्रकारों की दिनचर्या बहुत कठिन है। इसलिए हमें आध्यात्मिक शांति की अनुभूति जरूर लेनी चाहिए। राजयोग से हम तनावमुक्त जीवन जी सकते हैं। इससे हमें अच्छे नवाचारी और सकारात्मक विचार आएंगे। मीडिया बदलाव का वाहक बने यह बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम में बीके करूणा ने कहा कि आपकी शुभ भावना एक पवित्र ऊर्जा बनकर अन्य लोगों तक पहुंच जाती है। उस अदृश्य ऊर्जा को आप देख नहीं सकते, पर महसूस कर पाते हैं। लेकिन हमें इस बारे में सोचने की जरूरत है कि हम इस शुभ भावना को अपने भीतर दिन भर में कितनी बार और कितनी देर तक महसूस कर पाते हैं? तनाव बार-बार हावी क्यों हो जाता है? हम अपने ही विचारों के कारण सरल जीवन को इतना जटिल क्यों बना लेते हैं? कार्यक्रम में बीके सरला ने कहा कि मीडिया विंग इस आयोजन के माध्यम से मूल्यनिष्ठ मीडिया की स्थापना करना चाहता है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, सभी के लिए शुभकामनाएं रखना और दूसरों के साथ स्वयं की तुलना नहीं करने से आपके जीवन में तनाव कम हो सकता है।

ब्रम्हकुमारीज की संयुक्त प्रशासनिक प्रमुख बीके डा. निर्मला ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज हमें अपने जीवन को बेहतर तरीके से जीने का तरीका सिखाती है। ईश्वरीय कार्य में मीडिया मददगार हो सकता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान से पत्रकार चुनौतियों का सामना और समाधान करने की सही सोच एवं नजरिया विकसित कर सकते हैं। मंच संचालन बीके चंद्रकला ने किया और धन्यवाद भाषण बीके शांतनु ने दिया। कार्यक्रम में 1500 से अधिक मीडियाकर्मी हिस्सा ले है।

क्या संविधान से हटेगा 'इंडिया' शब्द?

सूत्रों का कहना है कि केंद्र इंडिया का नाम बदलने का प्रस्ताव ला सकता है। यह केंद्र सरकार द्वारा इस बात पर जोर देने के बाद आया है कि देश को 'गुलामी मानसिकता' से मुक्त किया जाना चाहिए। इस बीच, रिपोर्टों में कहा गया है कि विधेयक का मसौदा तैयार करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

18-22 सितंबर तक होने वाले संसद के आगामी विशेष सत्र के दौरान सरकार द्वारा इंडिया का नाम बदलकर भारत करने का प्रस्ताव लाया जा सकता है। भारत का संविधान वर्तमान में देश को 'इंडिया, यानी भारत...' के रूप में संदर्भित करता है, लेकिन इसे केवल 'भारत' करने के लिए संशोधन करने की मांग बढ़ रही है। संविधान में संशोधन कर इंडिया का नाम भारत करने की मांग तेज हो गई है और सूत्रों का कहना है कि केंद्र इंडिया का नाम बदलने का प्रस्ताव ला सकता है। यह केंद्र सरकार द्वारा इस बात पर जोर देने के बाद आया है कि देश को 'गुलामी मानसिकता' से मुक्त किया जाना चाहिए। इस बीच, रिपोर्टों में कहा गया है कि विधेयक का मसौदा तैयार करने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

रिपोर्टों में यह भी सुझाव दिया गया है कि विधेयक को संसद के आगामी विशेष सत्र में पेश किया जाएगा जो 18-22 सितंबर तक होने वाला है। 17वीं लोकसभा के 13वें सत्र और राज्यसभा के 261वें सत्र के दौरान 18-22 सितंबर तक पांच सत्र आयोजित किये जायेंगे। सूत्रों के मुताबिक, सरकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में भारत की परिभाषा में इस्तेमाल होने वाले वाक्यांश 'इंडिया यानी भारत' से 'इंडिया' शब्द हटाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। हाल ही में, आरएसएस नेता मोहन भागवत ने भी कहा था कि 'हमारे देश का नाम भारत सदियों से अस्तित्व में है', और लोगों से इंडिया के बजाय भारत शब्द का उपयोग करने का आग्रह किया।

संसद के विशेष सत्र में देश का नाम भारत करने का प्रस्ताव ला सकती है मोदी सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की है। 15 अगस्त, 2022 को लाल किले की प्राचीर से उन्होंने नागरिकों से पाँच प्रतिज्ञाएँ लेने की अपील की, जिनमें से एक गुलामी के हर निशान से मुक्ति थी। इसे देश की स्वदेशी पहचान को अपनाने की दिशा में एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में देखा गया। विशेष रूप से, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधान मंत्री को लाने-ले जाने के लिए जिस विशेष विमान का उपयोग किया जाता है उस पर 'भारत' नाम अंकित होता है। हाल ही में संपन्न संसद के मानसून सत्र के दौरान, भाजपा के राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने संविधान से 'इंडिया' को हटाने की मांग करते हुए तर्क दिया था कि यह औपनिवेशिक गुलामी का प्रतीक है। उनकी भावना को साथी भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने भी दोहराया, जिन्होंने 'इंडिया' को 'भारत' से बदलने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को दिया नौ वंदे भारत ट्रेन का तोहफा

कहा- इससे बढ़ रहा रोजगार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देशवासियों को एक साथ नौ वंदे भारत ट्रेनों का तोहफा दिया। पीएम मोदी दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की दो सेवाओं सहित नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये काचीगुडा-यशवंतपुर और विजयवाड़ा-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल मार्गों के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया। वहीं, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में आधुनिक कनेक्टिविटी विस्तार का यह अभूतपूर्व अवसर है। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की यह गति और स्केल 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं से बिल्कुल मैच कर रही हैं और यही आज का भारत चाहता है। उन्होंने कहा कि आज जिन ट्रेनों को शुरू किया गया है, वे पहले की तुलना में ज्यादा आधुनिक और आरामदायक हैं। ये वंदे भारत ट्रेनें नए भारत के नए जोश, नए उत्साह और नई उमंग का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि ऐसे कई रेलवे स्टेशन हैं जो पिछले कई सालों से विकसित नहीं हुए हैं। इन स्टेशनों को विकसित करने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत काल में बने नए स्टेशन 'अमृत भारत स्टेशन' कहलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों ने पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी ला दी हैं। जिन जगहों पर वंदे भारत ट्रेन पहुंच रही हैं, वहां पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। इससे वहां रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

530 यात्रियों की बैठने की क्षमता

आधिकारिक बयान के अनुसार, काचीगुडा-यशवंतपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा इस मार्ग की अन्य ट्रेनों की तुलना में कम से कम यात्रा समय के साथ दोनों शहरों के बीच सबसे तेज ट्रेन होगी। इसमें 530 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। विजयवाड़ा - एमजीआर चेन्नई सेंट्रल मार्ग पर ट्रेन इस मार्ग पर पहली और सबसे तेज ट्रेन होगी। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल को पटना-हावड़ा और रांची-हावड़ा मार्गों और हावड़ा-कोलकाता के जुड़वां शहरों के बीच दो और वंदे भारत ट्रेन सेवाएं भी मिलेंगी।

रेलवे ने पटना-झाझा, आसनसोल, बर्दवान, हावड़ा मुख्य मार्ग पर पटरियों को मजबूत करने के साथ ही पटना-हावड़ा मार्ग पर सेमी हाई-स्पीड ट्रेन संचालन की तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच चलने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी। चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में निर्मित, ट्रेन सेट 'मेक-इन-इंडिया' पहल का प्रतीक है और भारत की इंजीनियरिंग कौशल को प्रदर्शित करता है। अधिकारियों के अनुसार, पटना-हावड़ा और रांची-हावड़ा मार्गों के लिए नई रेक में 25 अतिरिक्त सुविधाएं होंगी।कासरगोड रेलवे स्टेशन पर पूजा की गई। केरल के कासरगोड रेलवे स्टेशन पर पूजा की गई। इससे पहले प्रधानमंत्री ने राज्य को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी।

मंत्री श्री सिंह ने सीबीआई अधकारियों को पुलिस पदक प्रदान किये

प्रतिष्ठित पदक पाने वालों में हेड कांस्टेबल भैया रंजय कुमार सिंह, मनबीर सिंह पटवाल, कुंतल चट्टोपाध्याय, चंदर पाल, लोगनाथन रेंगासामी, केवी जगन्नाथ रेड्डी, हरभान सिंह, महेश माधवराव गजरलवार, कांस्टेबल आर जयशंकर और कौशल्या देवी, अतिरिक्त कानूनी सलाहकार सुब्रमण्यम देवेंद्रनऔर कार्यालय अधीक्षक अरुणा मोहन तथा ओम प्रकाश नैथानी भी हैं। सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में शुरुआती जांच करने वाले एजेंसी के अधिकारी तरुण गौबा और पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के मामलों पर निगरानी रखने वाले अखिलेश कुमार सिंह समेत 35 सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को पुलिस पदक प्रदान किये। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री सिंह ने पहले 'अतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग दिवस' के मौके पर यहां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में एक समारोह में पदक प्रदान किये। पूर्व सहायक उप-निरीक्षक जी सत्यनारायण (अब सेवानिवृत्त) को असाधारण सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया।

डीआईजी तरुण गौबा और डीआईजी अखिलेश कुमार सिंह को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किये गये। पुलिस पदक प्राप्त करने वाले अन्य अधिकारियों में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनीष वीरेश सुरती, पुलिस अधीक्षक प्रसन्ना कुमार पाणिग्रही, प्रह्लाद किशोर झा और बिनय कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बरुण कुमार सरकार, रिच्छपाल सिंह, रमारमन त्रिपाठी, देवराज वक्कडा, रवींद्र कुश और अरविंद कुमार उपाध्याय हैं। पुलिस उपाधीक्षकों मुकेश वर्मा, राजेंद्र सिंह गोसाईं, हरजीत सिंह सचान, संजय कुमार गौतम, विकास कुमार पाठक और आलोक कुमार शाही, निरीक्षकों अमित कुमार और राकेश रंजन तथा उप-निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह को भी सराहनीय सेवा के लिए पदक दिए गए। प्रतिष्ठित पदक पाने वालों में हेड कांस्टेबल भैया रंजय कुमार सिंह, मनबीर सिंह पटवाल, कुंतल चट्टोपाध्याय, चंदर पाल, लोगनाथन रेंगासामी, केवी जगन्नाथ रेड्डी, हरभान सिंह, महेश माधवराव गजरलवार, कांस्टेबल आर जयशंकर और कौशल्या देवी, अति. कानूनी सलाहकार सुब्रमण्यम देवेंद्रनऔर कार्यालय अधीक्षक अरुणा मोहन व ओम प्रकाश नैथानी भी हैं।

जो सनातन रावण, कंस के अहंकार और बाबर, औरंगजेब के अत्याचार से नहीं मिटा

वह क्या मिटेगा

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा इकाई के सचिव एवं राज्य के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने तीन सितंबर को सनातन धर्म को 'समानता एवं सामाजिक न्याय' के खिलाफ बताते हुए कहा कि इसका उन्मूलन किया जाना चाहिए। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया, और डेंगू वायरस एवं मच्छरों से होने वाले बुखार से करते हुए कहा कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि इन्हें समाप्त कर देना चाहिये।

सनातन धर्म विवाद पर बिना किसी का नाम लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि जो सनातन रावण, कंस के अहंकार और बाबर, औरंगजेब के अत्याचार से नहीं मिटा, वह इन तुच्छ सत्ता परजीवियों से क्या मिट पाएगा ? मुख्यमंत्री आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को राजधानी के पुलिस लाइन में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, आज जब पूरा देश सकारात्मक दिशा में बढ़ने के लिए कार्य कर रहा है। अपनी विरासत का सम्मान करते हुए एक नयी ऊर्जा से आगे बढ़ने का कार्य कर रहा है। बहुत सारे लोगों को यह अच्छा नहीं लग रहा। भारत की प्रगति भारत की समृद्धि, वैश्विक मंच पर भारत जिसे एक नये अवतार के रूप में जाना जा रहा है।

कुछ लोगों को यह अच्छा नहीं लग रहा है।'' आदित्यनाथ ने कहा, आज पूरा देश गौरव महसूस कर रहा है कि आजादी के अमृत महोत्सव में भारत नयी उपलब्धियों के साथ दुनिया में जाना जा रहा है। लेकिन इन उपलब्धियों को कहीं न कहीं कमजोर करने के लिए उनके द्वारा भारत, भारतीयता, भारत की सनातन परंपरा पर उंगली उठाने का प्रयास हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''विरासत को अपमानित करने और विरासत के प्रति समाज की दृष्टि को कमतर करने का कुत्सित प्रयास हो रहा है। लेकिन यह सब भूल गये हैं कि जो सनातन नहीं मिटा था रावण के अहंकार से, जो सनातन नहीं डिगा था कंस के अहंकार से, जो सनातन नहीं मिटा था बाबर और औरंगजेब के अत्याचार से।

वह सनातन इन तुच्छ सत्ता परजीवी जीवों से क्या मिट पाएगा। आज इनको स्वयं अपने कृत्यों पर लज्जित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवता का धर्म जो सनातन धर्म है, उस पर उंगली उठाने का मतलब मानवता को संकट में डालने का कुत्सित प्रयास है। आदित्यनाथ ने कहा, याद करिए दुनिया का कौन ऐसा मत, मजहब और संप्रदाय हैं जिसके संकट के समय पलक पांवड़े बिछाकर उसके स्वागत के लिए सनातन धर्मावलंबियों ने उनकी सुरक्षा और उनके संरक्षण का कार्य नहीं किया है। हमने कभी नहीं कहा हम विशिष्ठ हैं। कोई सनातन धर्मावलंबी यह नहीं कहता हम विशिष्ठ हैं, या हमीं सब कुछ हैं।''

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा इकाई के सचिव एवं राज्य के युवा कल्याण मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने तीन सितंबर को सनातन धर्म को 'समानता एवं सामाजिक न्याय' के खिलाफ बताते हुए कहा कि इसका उन्मूलन किया जाना चाहिए। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया, और डेंगू वायरस एवं मच्छरों से होने वाले बुखार से करते हुए कहा कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि इन्हें समाप्त कर देना चाहिये।

'व्यक्तिगत लाभ हासिल करने के लिए लोगों के जीवन से खेलना न केवल सत्ता का दुरुपयोग'

वृद्धावस्था में वरिष्ठ नागरिकों को अपने चिकित्सा खर्च को पूरा करने और सामान्य जीवन जीने के लिए धन की आवश्यकता होती है। न्यायाधीश ने कहा कि किरायेदार द्वारा याचिकाकर्ता के पक्ष में किराये की बकाया राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। उन्होंने रामलिंगम को व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के जरिये 11 सितंबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि राजनीति आम आदमी और देश की भलाई के लिए की जानी चाहिए। न्यायालय ने कहा कि मौद्रिक और व्यक्तिगत लाभ हासिल करने के लिए लोगों के जीवन से खेलना न केवल सत्ता का दुरुपयोग है, बल्कि संवैधानिक आदर्शों के खिलाफ है। न्यायमूर्ति एस. एम. सुब्रमण्यम ने आर. गिरिजा नामक महिला द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर हाल में एक आदेश में ये टिप्पणियां कीं। गिरिजा ने अपने किरायेदार एवं सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पदाधिकारी एस. रामलिंगम द्वारा अदालत के आदेश के बावजूद दस साल से अधिक समय से उनका मकान खाली करने से इनकार करने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था। न्यायाधीश ने कहा कि राजनीति से जुड़े लोग आम आदमी के जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि एक नेता के शब्दों और कार्यों का उनके समर्थकों, पार्टी के लोगों और जनता पर प्रभाव पड़ता है। न्यायाधीश ने कहा कि यह जरूरी है कि इस अधिकार का दुरुपयोग अवैध और व्यक्तिगत लाभ के लिए न किया जाये। न्यायाधीश ने कहा कि राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल केवल जनता के लाभ के लिए किया जाना चाहिए, न कि उनके नुकसान के लिए। न्यायाधीश ने कहा कि जब राजनीति के लोगों को आम जनता द्वारा ऐसी ताकत दी गई है, तो इसका इस्तेमाल सामाजिक रूप से लाभकारी मुद्दों के लिए किया जाना चाहिए, न कि स्वयं के लाभ के लिए। इससे पहले, जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो पुलिस उपायुक्त (प्रशासन), ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने एक स्थिति रिपोर्ट दायर की जिसमें कहा गया कि इस अवमानना याचिका पर अदालत द्वारा एक सितंबर, 2023 को पारित आदेश का अनुपालन किया गया है। किरायेदार को पहले ही बेदखल कर दिया गया है और पुलिस अधिकारियों ने खाली मकान मालकिन को सौंप दिया है।

याचिकाकर्ता के वकील ने भी इस बात को स्वीकार किया। न्यायाधीश ने कहा कि वर्तमान अवमानना याचिका के मामले में बुजुर्ग महिला को पुलिस की सहायता से अदालत के जरिये किरायेदार से मकान खाली कराने में 12 साल लग गए। न्यायाधीश ने कहा कि कई वर्षों से किराया नहीं दिया गया है। याचिकाकर्ता के पति की उम्र लगभग 75 वर्ष है। वृद्धावस्था में वरिष्ठ नागरिकों को अपने चिकित्सा खर्च को पूरा करने और सामान्य जीवन जीने के लिए धन की आवश्यकता होती है। न्यायाधीश ने कहा कि किरायेदार द्वारा याचिकाकर्ता के पक्ष में किराये की बकाया राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। उन्होंने रामलिंगम को व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के जरिये 11 सितंबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है।

जनता का हम पर अभूतपूर्व भरोसा, 2024 में भी लोग सही चुनेंगे- पीएम मोदी

2024 के आम चुनावों में एनडीए को कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें 26 विपक्षी दल मोदी रथ का मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा (आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन) बनाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का विश्वास जताते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में लोग 'फिर से सही चुनेंगे'। मनीकंट्रोल के साथ एक साक्षात्कार में, पीएम मोदी ने कहा कि समय और अनुभव उनके सबसे बड़े शिक्षक थे। प्रधान मंत्री ने कहा, '2014 में, कोई भी मोदी को नहीं जानता था और फिर भी उन्होंने मुझे इतने बड़े जनादेश के साथ वोट दिया। दस साल बाद, उन्होंने हर जगह थोड़ा-थोड़ा मोदी देखा है - चंद्रयान मिशन में, मेरी हाल की अमेरिका यात्रा में। अब वह वे मुझे अच्छी तरह से जानते हैं, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोग फिर से सही चुनेंगे।''

2024 के आम चुनावों में एनडीए को कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें 26 विपक्षी दल मोदी रथ का मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा (आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन) बनाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। हाल ही में, प्यू रिसर्च सेंटर के एक अध्ययन से पता चला है कि 79 प्रतिशत भारतीयों का पीएम मोदी के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण था, जिसमें 55 प्रतिशत लोग 'बहुत अनुकूल' दृष्टिकोण रखते थे। चुनावी राज्यों में 'रेवड़ी' या मुफ्त उपहार देने वाले विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि 'वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेदाराना नीतियों' के खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा, 'ऐसी नीतियों के दीर्घकालिक प्रभाव न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि समाज को भी नष्ट कर देते हैं। गरीबों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। फिर भी, अच्छी बात यह है कि लोग समस्या के प्रति तेजी से जागरूक हो रहे हैं।' मोदी ने कहा कि भारत के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इसलिए हासिल हुई क्योंकि सरकार पर लोगों का भरोसा था। पीएम मोदी ने बताया कि यह हमारे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है कि लोगों ने हम पर अभूतपूर्व भरोसा किया है।

'अनुसूचित जाति का अधिकार'... को लेकर कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

संपादक मनोज चतुर्वेदी का पूर्व सांसद कमल किशोर से साक्षात्कार...

मध्य प्रदेश के रजक समाज ने अपने एक सूत्रीय मांग 'अनुसूचित जाति का अधिकार' को लेकर भोपाल के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश सरकार रहे एवं विशिष्ट अतिथि श्री कमल किशोर कमांडो, पूर्व सांसद, बहराइच रहे। रजक समाज के काद्यावर नेता, श्री कमल किशोर कमांडो ने मुख्य अतिथि का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया की देश के 11 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में रजक समाज पिछड़ा वर्ग का हिस्सा है और मध्य प्रदेश मे कांग्रेस की सरकार बनते ही अगर रजक समाज को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाता है तो देश में एक अच्छे राजनीति की पहल होगी। श्री कमलनाथ ने आश्वासन दिया की मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही वे रजक समाज के अनुसूचित जाति में शामिल करने वाली मांग को तुरंत लागू करेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश कांग्रेस रजक समाज समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री संजय मालवीय कर रहे थे । इस दौरान बहराइच के पूर्व सांसद कमल किशोर ने संपादक मनोज चतुर्वेदी से ट्रेन मै दिल्ली से भोपाल तक साथ साथ रहते हुए साक्षात्कार मैं बताया कि मैंने बहराइच सांसद रहते हुए जनता की सेवा की ओर मेरे लिए जनता ही भगवान है । इसलिए पार्टी जिस जगह से जिस प्रकार की जिम्मेदारी देगी उसे पूर्ण करूंगा।

पूर्ण साक्षात्कार पढ़िए अगले अंक में...

डबरा वर्तमान विधायक सुरेश राजे ने केक कटवाकर साधना न्यूज के विशेष संवाददाता और हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी का आज मनाया जन्मदिन।

एसडीएम आदरणीय शिवदयाल धाकड़

आई ए एस एवं डबरा एस डी एम आदरणीय श्री प्रखर सिंह

आदरणीय डबरा तहसीलदार श्री विनीत गोयल जी

ग्वालियर हाईकोर्ट के शासकीय अधिवक्ता एवं हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के कानूनी सलाह कार आदरणीय श्री अनिल शुक्ला जी

स्प्रीडविंग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट एवं चार्टर एकाउंटेंट भाईयो के साथ

हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के विशेष संवाददाता। रविकांत शर्मा

त्रिदेव कंस्ट्रक्शन एंड सप्लाई के पार्टनर श्री कुशवाह जी एवं महिला कांग्रेस जिला सचिव सुनीता कुशवाह जी के साथ

विशेष संवाददाता रवि परिहार एवं विशेष संवाददाता रविकांत शर्मा

थाना प्रभारी यशवंत गोयल

जॉइंट डायरेक्टर खनिज आदरणीय भाई विनोद बांगड़े जी वने एडिशनल डायरेक्टर खनिज साथ ही कार्यालय प्रमुख के पद का भी दायित्व सभालेंगे । दायित्व लेने के प्रथम दिन ही दिया साक्षात्कार'' हमारा देश हमारा अभिमान'' पत्रिका को।

शांति पूर्ण चुनाव कराना ही हमारी प्राथमिकता यह बात हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा में कही एडिसिनल एस पी ग्रामीण ग्वालियर निरंजन शर्मा जी ने। पूर्ण इंटरव्यू देखिए अगले अंक में...

जेपी नड्डा बोले-

गहलोत नहीं, लूट की सरकार, आकाओं को खुश करने में लगे गेहलोत

आगामी राजस्थान चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की राज्य सरकार पर हमलकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में यह अशोक गहलोत सरकार नहीं है, घर को लूटने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि ये सरकार भ्रष्टाचार करके दिल्ली के अपने आकांओं को खुश करने और उनकी जेब भरने का काम करती है।

इनको राजस्थान से कोई मतलब नहीं है, इसलिए ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकना है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाना है। कांग्रेस का मतलब बताते हुए उन्होंने कहा कि लूट, भ्रष्टाचार, अत्याचार और कुशासन। गहलोत सरकार का मतलब है- लाल डायरी। इसलिए आने वाले चुनाव में ऐसी सरकार को बर्खास्त कर देना है। नड्डा ने आगे कहा कि राजस्थान शांति प्रिय प्रदेश कहलाता था, वो आज बलात्कार, अनाचार, अत्याचार के रूप में जाना जा रहा है। इसलिए अब ये राजस्थान सहने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार में 12 लाख करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। 2जी घोटाला, कोल घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, इस तरह इन्होंने अनगिनत घोटाले किए। इसलिए इनको देश से कोई लेना-देना नहीं, सिर्फ अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और अपने परिवार को बचाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है- भ्रष्टाचार Quit India, परिवारवाद Quit India, तुष्टिकरण Quit India। उन्होंने कहा कि हम हमेशा गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, किसान, महिला और युवाओं के सशक्तिकरण की बात करते हैं और इनको सशक्त बनाने का काम भी मोदी जी ने किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने गरीबों की चिंता की है- गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को 5 किलो चावल और एक किलो दाल दिया जा रहा है।

नेता अपनी तरफ ही देखते रहे तो कार्यकर्ता क्यों लड़ेगा पार्टी के लिए : रंधावा

आप सब कुछ अपने घर में रखेंगे .. जब आपके परिवार को सब कुछ मिलेगा तो फिर बाकी लोग कहां जाएंगे? कांग्रेस परिवार कहां जाएगा?'' बैठक में उन्होंने युवा कांग्रेस नेताओं को भरोसा दिलाया कि चुनाव में उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। पहले की तरह कुछ फीसदी टिकट युवा कांग्रेस के लिए रखे जाएंगे और जो पात्र होगा उसे टिकट दिया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव व राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पार्टी के बड़े नेताओं को नसीहत देते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर वे अपने तथा अपने परिवार की ओर ही देखते रहे तो कार्यकर्ता कहां जाएगा और वह पार्टी के लिए क्यों लड़ेगा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए पार्टी नेताओं द्वारा विभिन्न निर्वाचित पद अपने ही परिवार के सदस्यों में रखने की मानसिकता पर सवाल उठाया और कहा कि ऐसी स्थिति में पार्टी कार्यकर्ता क्या करेंगे? राज्य में इस साल के आखिर में चुनाव होने हैं। पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा अपने बेटों आदि की वकालत किए जाने पर रंधावा ने कहा,''जब तक हम बड़े नेता अपने परिवार को पीछे नहीं करेंगे... मेरा बेटा 22 साल का है मैंने उसको कहीं नहीं बनाया ...न युवा कांग्रेस में न पंच सरपंच कभी नहीं .. मेरे पिता दो बार पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने मुझे या मेरे बड़े भाई को कहीं कोई पद नहीं दिया।

1997 में, मुझे टिकट दिया गया और उन्होंने सक्रिय राजनीति छोड़ दी ...कि एक घर से एक ही काम करेगा।'' रंधावा ने कहा,''ऐसी भावना आपको लेकर आनी होगी। फिर कांग्रेस मजबूत होगी। अगर हम अपनी तरफ ही देखते रहेंगे तो कार्यकर्ता को कैसे मजबूत करेंगे? कार्यकर्ता क्यों लड़ेगा कांग्रेस के लिए? वर्कर (कार्यकर्ता)तभी लड़ेगा जब उसे लगेगा कि मेरा भी भविष्य है ...वो मैं करूंगा और मैंने इनको विश्वास दिलाया है कि जैसे मैं आगे आया हूं वैसे ही आप लोगों को आगे करूंगा।'' रंधावा यहां युवा कांग्रेस की एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह इस प्रवृत्ति को कम करेंगे और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार दोबारा बनने पर परिवारवाद की राजनीति को कम करेंगे।

...तो फिर आम कार्यकर्ता का क्या होगा ?

इससे पहले उन्होंने कार्यक्रम में कहा,''अगर आप अपने परिवार में सब कुछ रखेंगे तो कांग्रेस कैसे मजबूत होगी? मैं देखता हूं ... पिता मंत्री है, बेटा जिला प्रमुख है... आप सब कुछ रखेंगे? आप सब कुछ अपने घर में रखेंगे .. जब आपके परिवार को सब कुछ मिलेगा तो फिर बाकी लोग कहां जाएंगे? कांग्रेस परिवार कहां जाएगा?'' बैठक में उन्होंने युवा कांग्रेस नेताओं को भरोसा दिलाया कि चुनाव में उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। पहले की तरह कुछ फीसदी टिकट युवा कांग्रेस के लिए रखे जाएंगे और जो पात्र होगा उसे टिकट दिया जाएगा।

पूरे भारत में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई जन्माष्टमी

जगतपुरा के हरे कृष्ण मार्ग स्थित श्रीकृष्ण बलराम मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव रात 12 बजे किया जाएगा और उसके बाद महाआरती की जायेगी। राजसमंद जिले में प्रसिद्ध नाथद्वारा में कृष्ण जन्माष्टमी पर सुबह पौने पांच बजे से लगभग डेढ़ घंटे के लिए मंगला (पंचामृत) के दर्शन खुले। इसके बाद प्रभु श्रीनाथ जी का श्रृंगार और राजभोग की झांकी में विशेष श्रृंगार किया गया।

देशभर में धूमधाम से जन्माष्टमी मनाई गई। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा के प्रमुख मंदिरों में हजारों भक्तों की भीड़ उमड़ी। जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म के अवसर पर मनाई जाती है। दक्षिण पूर्वी राष्ट्रों के संगठन 'आसियान'-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे मोदी ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''जन्माष्टमी की बहुत-बहुत बधाई। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन अवसर मेरे सभी परिवारजनों (नागरिकों के संदर्भ में) के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे, यही कामना है। जय श्रीकृष्ण!'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जन्माष्टमी के अवसर पर दक्षिणी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश में स्थित इस्कॉन मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे।

सूत्र ने कहा, ''जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर गृह मंत्री दक्षिणी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित इस्कॉन मंदिर जाएंगे और रात साढ़े ग्यारह बजे पूजा-अर्चना करेंगे।'' मथुरा में वैदिक मंत्रोच्चार, शंख और घंटे की ध्वनि के बीच हजारों भक्त तीन प्रमुख मंदिरों में भगवान कृष्ण के अभिषेक समारोह (भगवान को स्नान कराना) के साक्षी बने। राधा दामोदर मंदिर के पुजारी बलराम गोस्वामी ने बताया कि राधा रमण, राधा दामोदर और गोकुलानंद मंदिरों में अभिषेक समारोह किया गया। इन मंदिरों में आज सुबह भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। उन्होंने बताया कि जहां हर जगह जन्माष्टमी आधी रात के दौरान मनाई जाती है, वहीं इन मंदिरों में यह लगभग 500 साल पहले प्रसिद्ध संत जीव गोस्वामी द्वारा स्थापित परंपरा के अनुसार दिन के दौरान मनाई जाती है।

पुजारी प्रशांत शाह ने कहा कि चूंकि वृन्दावन में शाह जी मंदिर, राधा रमण मंदिर में अपनाई जाने वाली परंपराओं के अनुसार सभी त्योहार मनाता है इसलिए यहां भी जन्माष्टमी सुबह मनाई गई। मथुरा स्थित भगवान श्रीकृष्ण के कई अन्य मंदिरों में रात 12 बजे अभिषेक समारोह आयोजित किया जाएगा। पुजारी ने कहा कि भगवान कृष्ण के अभिषेक समारोह का चरणामृत (दूध, दही, घी, खांडसारी, शहद और कई जड़ी-बूटियों का मिश्रण) मंदिरों के सामने एकत्र हजारों भक्तों के बीच वितरित किया गया। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर दिन की शुरुआत शहनाई, शंख और ढोल बजाने के साथ हुई। इसके बाद भगवान का अभिषेक किया गया और फिर भक्तों के बीच चरणामृत का वितरण किया गया। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि हजारों तीर्थयात्रियों ने भागवत भवन मंदिर और श्रीकृष्ण जन्मस्थान स्थित अन्य मंदिरों में देवी-देवताओं के दर्शन किए।

इसके अलावा श्रीकृष्ण जन्मस्थल से कलाकारों की शोभायात्रा निकाली गयी जो मथुरा की मुख्य सड़कों और विभिन्न चौराहों से गुजरी। द्वारकाधीश मंदिर के जनसंपर्क अधिकारी राकेश तिवारी ने बताया कि द्वारकाधीश मंदिर, वृन्दावन, गोवर्धन, नंदगांव आदि सहित मथुरा के अन्य मंदिरों में भी जन्माष्टमी मनाई गई। जन्माष्टमी में भाग लेने के लिए मथुरा गए लखीमपुर खीरी के निवासी बिमलेंद्र मिश्रा ने कहा, जन्माष्टमी को लेकर जो उत्साह मथुरा में देखने को मिलता है वह कहीं और अनुभव नहीं किया जा सकता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विदेशी भक्तों ने भी इस्कॉन और राधा दामोदर मंदिर वृन्दावन में देवी-देवताओं के दर्शन किये। राधा दामोदर मंदिर के पुजारी बलराम गोस्वामी ने कहा कि आज मंदिर में एक विशेष आरती समारोह में कई विदेशी भक्त शामिल हुए।

कृष्ण बलराम मंदिर (इस्कॉन वृन्दावन) के अध्यक्ष पंचगोड़ा प्रभु के अनुसार विभिन्न देशों के सैकड़ों भक्तों ने कृष्ण बलराम मंदिर में भगवान के दर्शन किए। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा, राज्य मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और जयवीर सिंह, जिला अधिकारी (डीएम) शैलेन्द्र सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शैलेश कुमार पांडे के नेतृत्व में शोभायात्रा निकली गयी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान से बाहर यह शोभायात्रा मथुरा की मुख्य सड़कों से होकर गुजरी। उत्सव में भाग लेने के लिए मथुरा पहुंचे लखीमपुर खीरी के निवासी बिमलेंद्र मिश्रा ने कहा, मथुरा में जन्माष्टमी समारोह देखना उत्साहजनक है। कोई भी इसे कहीं और अनुभव नहीं कर सकता है।

मथुरा जिला प्रशासन ने भीड़भाड़ और भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए बांके बिहारी मंदिर के अंदर भक्तों की संख्या सीमित करने का निर्णय लिया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया। पिछले साल अगस्त में जन्माष्टमी समारोह के दौरान मंदिर में भगदड़ में दो भक्तों की मौत हो गई थी और सात घायल हो गए थे। अधिकारियों ने कहा कि आधी रात के बाद होने वाली मंगला आरती के दौरान मंदिर के आचार्यों (गोस्वामी) सहित केवल 500 भक्तों को अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। महानिरीक्षक (आईजी) दीपक कुमार और एसएसपी पांडे के साथ मंदिर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद डीएम ने कहा, आरती के दौरान भक्तों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश की अनुमति

दी जाएगी। मुंबई में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित दही हांडी उत्सव के दौरान अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 35 'गोविंदा' घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उत्सव के दौरान, गोविंदा या दही हांडी प्रतिभागी हवा में लटकी 'दही हांडी' को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाते हैं। पूरे शहर में यह उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह से शुरू हुआ उत्सव देर रात तक मनाया जाएगा। शहर भर में विभिन्न स्थानों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें दही हांडी तोड़ने में सफल होने वाले गोविंदा समूहों को नकद पुरस्कार दिया जाता है। हालांकि, मानव पिरामिड बनाने के दौरान प्रतिभागियों के गिरने और घायल होने की आशंका रहती है। अधिकारी ने कहा, ''मुंबई में दही हांडी उत्सव के दौरान अब तक कम से कम 35 गोविंदा को चोटें आई हैं। चार गोविंदा को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो को मध्य मुंबई के परेल में बीएमसी संचालित केईएम अस्पताल और दो को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' उन्होंने बताया कि 22 घायलों का इलाज सरकारी और निगम अस्पतालों के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में किया जा रहा है।

बीएमसी अधिकारियों ने बताया कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने गोविंदाओं के घायल होने की स्थिति में निकाय अस्पतालों में 125 बिस्तरों की व्यवस्था की है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भाजपा महासचिव बीएल संतोष समारोह में शामिल हुए। भारत की जी20 अध्यक्षता को देखते हुए दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) ने समूह के आगामी शिखर सम्मेलन की थीम - 'वसुधैव कुटुंबकम' (पूरी दुनिया एक परिवार है) को शामिल करके जन्माष्टमी मनाई। यह कार्यक्रम 6-7 सितंबर को द्वारका सेक्टर 10 स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मैदान में आयोजित किया गया था। पंजाब और हरियाणा में भी जन्माष्टमी पारंपरिक उत्साह और धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हजारों लोगों ने मंदिरों में दर्शन किये, पूरे क्षेत्र के मंदिरों में कृष्ण पर भजन और प्रवचन का आयोजन किया गया।

'बालगोपाल' (बाल कृष्ण) की प्रतिमाओं को 'झूलों' पर सजा गया था जिन्हें भक्तों द्वारा समारोहपूर्वक झुलाया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। श्रीनगर में कश्मीरी पंडितों ने जन्माष्टमी पर शोभा यात्रा निकाली। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शोभा यात्रा हब्बा कदल क्षेत्र के गणपतियार मंदिर से शुरू हुई और क्रालखुद और बरबरशाह से होते हुए ऐतिहासिक लाल चौक के घंटाघर तक पहुंची। इसके बाद शोभा यात्रा ने अमीराकदल पुल को पार किया और जहांगीर चौक से होते हुए मंदिर लौट आई।महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित भक्तों ने रथ के साथ नृत्य किया। कश्मीरी पंडित संदीप मावा ने कहा कि यह अच्छी बात है कि पिछले कुछ सालों से घाटी में शोभा यात्रा निकाली जा रही है। शोभा यात्रा में शामिल एक स्थानीय मुस्लिम गुलाम रसूल ने कहा, ''एक समय था जब हम एक साथ त्योहार मनाते थे। मुस्लिम भी इन त्योहारों में भाग लेते थे।

1989 के बाद ये त्योहार नहीं मनाए गए। लेकिन अब यहां स्थिति शांतिपूर्ण है और हम चाहते हैं कि स्थिति ऐसी ही बनी रहे।'' डोगराओं की प्राचीन परंपरा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जम्मू में बृहस्पतिवार को पतंग उत्सव मनाया गया। राजस्थान के राजसमंद जिले के नाथद्वारा और राजधानी जयपुर के आराध्य देव गोविंददेव जी सहित सभी प्रमुख मंदिरों को जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष तौर पर सजाया गया है। राज्य के सभी मंदिरों में सुबह से भगवान के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई। जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर परिसर की कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर विशेष सजावट की गई है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया और पीले रंग का विशेष वस्त्र पहनाया गया। भीड़ को नियंत्रित करने लिये मंदिर प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है। गोविंददेव जी मंदिर में रात 12 बजे 31 तोपों की सलामी के बाद दर्शन पट्ट खुलेंगे।

इसके बाद शालिग्राम पूजन और उसके साथ ही ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक होगा। इस दौरान पंडित वेद पाठ करेंगे। वहीं कल मंदिर परिसर में नंदोत्सव मनाया जाएगा और शोभायात्रा निकाली जायेगी। वहीं, चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर मंदिर में दिन में 12 बजे ही जन्मोत्सव मनाया गया। इसके बाद दिन में ठाकुर जी को पीले कपड़े धारण कराए गए। विशेष फूलों से श्रृंगार झांकी सजाई गई है। जगतपुरा के हरे कृष्ण मार्ग स्थित श्रीकृष्ण बलराम मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव रात 12 बजे किया जाएगा और उसके बाद महाआरती की जायेगी। राजसमंद जिले में प्रसिद्ध नाथद्वारा में कृष्ण जन्माष्टमी पर सुबह पौने पांच बजे से लगभग डेढ़ घंटे के लिए मंगला (पंचामृत) के दर्शन खुले। इसके बाद प्रभु श्रीनाथ जी का श्रृंगार और राजभोग की झांकी में विशेष श्रृंगार किया गया।

पीएम ने प्रदेश में 50 हजार शिक्षकों की भर्ती पर राज्य सरकार को दी बधाई...

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्त होने वाले 5 हजार 500 से अधिक शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा है कि आप पर भारत की भावी पीढ़ी को गढ़ने, उन्हें आधुनिकता में ढालने और नई दिशा देने की जिम्मेदारी है। पिछले तीन वर्षों में हुई लगभग 50 हजार शिक्षकों की भर्ती के लिए राज्य सरकार बधाई की पात्र है। प्रधानमंत्री श्री मोदी नवनियुक्त शिक्षकों के प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण तथा उन्हें बधाई पत्र सौंपने के लिए शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुए कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़कर नवनियुक्त शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी नवनियुक्त शिक्षकों को प्रेरित किया तथा उन्हें बधाई पत्र सौंपे। कार्यक्रम में मंत्री जनजातीय कार्य विभाग सुश्री मीना सिंह एवं स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार उपस्थित थे।

मातृ भाषा में पढ़ाई को लेकर हुए विशेष प्रयास : प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि नव नियुक्त शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं। विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी योगदान है। इसमें पारम्परिक ज्ञान से लेकर भविष्य की टेक्नालॉजी को समान रूप से महत्व दिया गया है। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में भी नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। मातृ भाषा में पढ़ाई को लेकर विशेष प्रयास हुए हैं। सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंग्रेजी न जानने वाले छात्रों के लिए उनकी मातृ भाषा में पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। पाठ्यक्रम में क्षेत्रीय भाषाओं की पुस्तकों पर बल दिया गया है। देश की शिक्षा व्यवस्था में ये बहुत बड़े बदलाव का आधार बनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नव-नियुक्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी कड़ी मेहनत से यहाँ तक पहुँचे हैं, आगे भी आप सीखते रहने की प्रवृत्ति जारी रखें। सरकार ने ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्म IGOT Karmayougi तैयार किया है। शिक्षकगण इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज देश में शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार, इन तीनों ही स्तरों पर दूरगामी नीति और निर्णय के साथ अनेक वित्तीय पहल की जा रही है। इस 15 अगस्त पर पीएम विश्वकर्मा योजना का ऐलान किया गया। हमारे विश्वकर्मा सारथियों के पारपम्परिक कौशल को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक ढालने के लिये पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई गई है। इस पर लगभग 13 हजार करोड़ रूपये खर्च होंगे। अलग-अलग तरह के 18 हुनर से जुड़े परिवारों को हर प्रकार की सहायता दी जायेगी, जिससे युवाओं को अपना कौशल निखाने के अवसर मिलेंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि जब सकारात्मक सोच, सही नीयत, पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय होते हैं, तो पूरा वातावरण सकारात्मकता से भर जाता है। अमृतकाल के पहले वर्ष में ही दो बहुत बड़ी सकारात्मक खबरें आई हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 5 साल के भीतर ही भारत में साढ़े 13 करोड़ भारतीय, गरीबी रेखा से ऊपर आ गये हैं। इस वर्ष फाइल होने वाली इनकम टेक्स रिटर्न की संख्या भी दूसरा महत्वपूर्ण संकेत दे रही है।

कांग्रेस हमेशा तुष्टिकरण में डूबी रही- शाह

अमित शाह ने कहा कि इन 20 वर्षों में भाजपा के तीन मुख्यमंत्रियों, विशेषकर शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश को बेमिसाल प्रदेश बनाकर आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बनाकर ये श्रीमान बंटाधार (कमलनाथ) छोड़कर गए थे।

मंडला में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा ने सर्वांगीण विकास के माध्यम से हर वर्ग को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मंडला में अमित शाह ने 'जन आशीर्वाद यात्रा' का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अभी-अभी मंडला जिले को पूर्ण रूप से फंक्शनल साक्षर जिला घोषित किया गया है। इस आदिवासी बहुल इलाके में साक्षरता का जो अभियान शिवराज सिंह जी ने चलाया है, इसके लिए मैं इनका अभिनंदन करता हूं। शाह ने कहा कि आज मैं इस क्षेत्र में आया हूं, इस क्षेत्र में ज्यादातर मेरे आदिवासी भाई बहन रहते हैं। हम आपका आशीर्वाद मांगने आए हैं। अमित शाह ने कहा कि इन 20 वर्षों में भाजपा के तीन मुख्यमंत्रियों, विशेषकर शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश को बेमिसाल प्रदेश बनाकर आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बनाकर ये श्रीमान बंटाधार (कमलनाथ) छोड़कर गए थे। दिग्विजय सिंह की सरकार को याद करिए। भ्रष्टाचार, लूट-खसोट, गड्ढे से भरी सड़कें, पानी बगैर खेत, बिजली बगैर गरीब का घर था और महिला सुरक्षा का नामोनिशान नहीं था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं एक आदिवासी सम्मेलन में हिस्सा लेने मध्य प्रदेश आया था, उस समय शिवराज सिंह जी ने एक साथ 17 घोषणाएं कीं।

चंद्रयान ने हमें नए इतिहास का गवाह बना दिया...

हम सबको बधाई। हमारे वैज्ञानिकों को बधाई। चंदा मामा दूर के नहीं रहे। ठीक है 16 जुलाई 1969 को नील आर्मस्ट्रॉग ने अपने पैर चांद पर रखे थे। हमारे राकेश शर्मा 1984 में सोवियत सोयुज से चांद पर पहुंचे। तब भी सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा था। लेकिन हमारे चंद्रयान -3 की सफलता इन सबसे कहीं ऊपर है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर हम वहां पहुंचे हैं जहां कोई नहीं पहुंच सका। कुछ बेवकूफों ने ये भी सवाल उठाया कि अब मून मिशन का क्या मतलब? उनको कौन बताए ऐसा ही था तो चांद पर दशकों पहले पहुंचने वाला रूस अपने लूना को क्यों भेज रहा था जो क्रैश हो गया। हमारा मकसद अपना पीठ थपथपाना है। दोस्त रूस पर कटाक्ष नहीं। राकेश शर्मा तो उन्हीं के रॉकेट में सवार होकर चंदा मामा से मिलने गए थे। लेकिन अब हम मिथक भी बदलेंगे और कथानक भी। चांदा मामा दूर के पुए पकाए गुड़ के.. वाली कहावत याद होगी। अब ये कहावत तो बदलेगी। अगर दक्षिणी ध्रुव पर हिम का कोई कण भी है तो वो हमारे रोवर प्रज्ञान की नजरों से नहीं बच पाएगा। जीवन की गुंजाइश हो या न हो, धरा पर मानवता के कल्याण के लिए जो भी इस्तेमाल हो सकेगा उसका रास्ता हमारा चंद्रयान प्रशस्त करेगा। इसमें कोई शक नहीं है।

इतिहास के गवाह

जब इसरो ने लाइव स्ट्रीम शुरू किया तो देखा हमारे लैंडर की गति 1600 मीटर प्रति सेकंड थी वो 1200 मीटर प्रति सेकंड हो गई है। लैंडर मॉड्यूल की दूरी चांद से घटती जा रही है। जब ये कमेंट्री चल रही थी तो कमांड सेंटर में मौजूद हमारे वैज्ञानिकों के चेहरे पर खुशी लेकिन इजहार करने का इंतजार। ये भाव साफ नजर आ रहा था। और हम आप जैसे हिंदुस्तानियों की धड़कन बढ़ती जा रही थी। कमांड सेंटर पर मौजूद लोगों में से कुछ तो मानों मंत्रोच्चार कर रहे हों। बुदबुदाते लबों को कंपकंपाती उंगलियों से ढकते हुए वो चेहरे शायद 2019 को याद कर रहे थे जब हम इतिहास बनाने से चूक गए। 800 न्यूटन के चारों इंजन तब सही तरीके से काम कर रहे थे। ये पांच बजकर 54 मिनट का वाकया था। इन्हीं इंजनों के सहारे लैंडर की गति कम होती जा रही थी। ये क्रैश लैंडिंग रोकने के लिए जरूरी होता है। तभी तालियां बजती हैं। दूरी 10 किलोमीटर रह जाती है। और स्पीड एकदम सटीक। लैंडिंग से दस मिनट पहले हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहान्सबर्ग से जुड़ते हैं। वो ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने दक्षिण अफ्रीका गए हुए हैं। वो सभी वैज्ञानिकों को नमन करते हैं। आपको याद होगा 2019 का वो क्षण जब क्रैश लैंडिंग के कारण इसरो प्रमुख के सिवन फफक कर रोने लगे और पीएम ने उन्हें गले लगा लिया।

थम गईं सांसें

विक्रम के पैर यानी चारों स्टैंड खुले हुए हैं और वो सिर्फ 100 मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार पर आ चुका है। तालियों की गड़गड़ाहट से कमांड सेंटर गूंज उठता है। अब महज एक किलोमीटर का फासला बचा है। पावर डिसेंट की बारी है। हमारा विक्रम अपना पैर सीधा करता है और चांद पर पांव जमाने वाला है। चमकता हुआ विक्रम हमारा सीना चौड़ा कर रहा था। उसकी किरणें चांद की सतह पर तिरंगे की ताकत बयां कर रही थी। उधर पीएम मोदी भी सांस थामे विक्रम को निहार रहे थे। लैंडिंग साइट पर आते आते गति एकदम मंद पड़ जाती है। लैंडर अपना पथ प्रशस्त करता हुआ महज 100 मीटर दूर है और सबसे नाजुक मोड़ पर हमारा चंद्र मिशन। तभी सेंसरों से खबर मिलती है कि लैंडिंग के लिए जगह मुफीद है। मोदी के चेहरे पर मंद मुस्कान दिखती है। मैं बता नहीं सकता कि ये दृश्य हमारे जैसों के लिए कितना रोमांचकारी है। राकेश शर्मा को तो हमने बड़ा होकर जाना। लेकिन ये मिशन अपोलो या सबसे अलग है। ठीक छह बजकर तीन मिनट पर हमारा सपना पूरा होता है। पूरे देश का सीना चौड़ा हो जाता है। हमारा विक्रम चांद को चूम रहा है। वो मिशन पर कामयाब है। और उसके पेट से रोवर प्रज्ञान निकलने को तैयार है। इसी के साथ सॉफ्ट लैंडिंग की घोषणा होती है और मोदी देश को संबोधित करते हैं।

जन आशीर्वाद यात्रा

निमंत्रण न मिलने पर छलका उमा का दर्द, बोलीं- शायद वे घबरा गए हैं...

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बारे में बात करते हुए भारती ने कहा कि वह उन्हें अपने भतीजे की तरह मानती थीं। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें (सिंधिया) अपने भतीजे के रूप में प्यार करती हूं, लेकिन कम से कम मैं यात्रा के शुभारंभ पर आमंत्रित किए जाने के योग्य थी, भले ही मैं वहां नहीं जाती। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती 'जन आशीर्वाद यात्रा' के लिए सत्तारूढ़ दल द्वारा अनदेखी किए जाने से निराश दिखीं। जन आशीर्वाद यात्रा को रविवार को सतना जिले के चित्रकूट से भाजपा के राष्ट्रीय प्रमुख जेपी नड्डा ने हरी झंडी दिखाई थी। उमा भारती ने कहा कि उन्हें जन आशीर्वाद यात्रा में आमंत्रित नहीं किया गया है। भारती ने किसी भी पार्टी नेता का नाम लिए बिना कहा, 'शायद वे (भाजपा नेता) घबरा गए हैं कि अगर मैं वहां रहूंगी तो पूरी जनता का ध्यान मुझ पर होगा।' उन्होंने कहा कि 2003 में उनके नेतृत्व में बीजेपी कांग्रेस को हराने में कामयाब रही थी और तब से पार्टी सत्ता में है। उन्होंने कहा, 'अगर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उन्हें (2020 में) सरकार बनाने में मदद की, तो मैंने भी उन्हें (2003 में) बड़ी बहुमत वाली सरकार बनाने में मदद की।'

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बारे में बात करते हुए भारती ने कहा कि वह उन्हें अपने भतीजे की तरह मानती थीं। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें (सिंधिया) अपने भतीजे के रूप में प्यार करती हूं, लेकिन कम से कम मैं यात्रा के शुभारंभ पर आमंत्रित किए जाने के योग्य थी, भले ही मैं वहां नहीं जाती।' फिर भी, भारती ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह भाजपा के लिए प्रचार करना जारी रखेंगी और आगामी चुनावों में पार्टी के लिए सक्रिय रूप से वोट मांगेंगी। इस बीच कांग्रेस ने सत्ता पक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी को अपने सभी नेताओं का अपमान करने की आदत है। कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा, 'भाजपा ने पूर्व उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को किनारे कर दिया है और (पूर्व केंद्रीय मंत्री) मुरली मनोहर जोशी को सेवानिवृत्त होने के लिए मजबूर किया है।

आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स में बना 2700 करोड़ का है भारत मंडपम...

मातृभाषा व प्रौद्योगिकी का है संगम...

केंद्र सरकार के प्रयासों की बदौलत दिल्ली को एक आधुनिक और भविष्यवादी इंटरनेशनल प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र मिला है। ये केंद्र भारत में सम्मेलन पर्यटन को बढ़ावा देने में मददगार सिद्ध होगा। सेंटर के जरिए देश को आर्थिक और पर्यटन संबंधी लाभ पहुंचेगा। विकसित होने के लिए बड़ी सोच होना बेहद अहम है। बड़े लक्ष्य हासिल करना भी जरुरी है। इसके लिए जरुरी है कि थिंक बिग, ड्रीम बिग, एक्ट बिग के सिद्धांत पर काम करते हुए भारत तेजी से आगे की ओर बढ़ रहा है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में हाल ही में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच ये है कि देश या समाज टुकड़ों में सोचकर या टुकड़ों में काम करता है, तो वो आगे नहीं बढ़ सकता, विकास नहीं कर सकता है। इसी का नतीजा है कि भारत मंडपम के जरिए भी केंद्र सरकार हॉलिस्टिक तरीके से दूरदर्शी सोच के साथ काम कर रही है। केंद्र सरकार की सोच है कि देश विदेश की बड़ी कंपनियां भारत आएं। देश में अब 160 से ज्यादा देशों को ई-कांफ्रेंस वीजा की सुविधा भी केंद्र सरकार के सकारात्मक प्रयासों की बदौलत मिल रही है।

इसी बीच केंद्र सरकार के प्रयासों की बदौलत दिल्ली को एक आधुनिक और भविष्यवादी इंटरनेशनल प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र मिला है। ये केंद्र भारत में सम्मेलन पर्यटन को बढ़ावा देने में मददगार सिद्ध होगा। सेंटर के जरिए देश को आर्थिक और पर्यटन संबंधी लाभ पहुंचेगा। इस सेंटर की मदद से देश और दुनिया के कई बड़े और दिग्गज एग्जीबिटर्स को भी मौका मिलेगा। वहीं ये देश के शानदार स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करने का भी जरिया बनेगा।

इसके उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारत मंडपम' भारत के सामर्थ्य का आह्वान है। ये भारत की नई ऊर्जा का आह्वान है। 'भारत मंडपम' भारत की भव्यता और इच्छा शक्ति का दर्शन है। एक तरफ जहां कोरोना वायरस संक्रमण काल के दौरान हर तरफ काम रुका हुआ था। वहीं दूसरी तरफ भारत के श्रमजीवियों ने दिन-रात मेहनत कर इस 'भारत मंडपम' के निर्माण कार्य को पूरा किया है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए आईटीपीओ इंटरनेशनल एग्जीबिशन कम कन्वेंशन सेंटर में पूजा की थी।

देश के राज्य स्कूली शिक्षा में AI को इस तरह दे रहे हैं बढ़ावा...

राजधानी दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश ने एआई शिक्षा को लेकर कई कदम उठाए हैं। इन राज्य सरकारों ने सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम में एआई को प्राथमिकता दी है।

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज वक्त की मांग बनती जा रही है। सभी जगह इसकी चर्चा है। आने वाले दिनों में एआई शिक्षा को बढ़ावा देने वाले और इसके तमाम आयामों को समझाने वाले स्कूल भारत के कई शहरों में खुलने जा रहे हैं। इसी साल अगस्त में भारत का ऐसा पहला स्कूल केरल के तिरुवनंतपुरम में शुरू हुआ है जहां एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। बदलते वक्त के साथ युवाओं और बच्चों को भी इसकी समझ और इसका ज्ञान होना जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कई राज्यों ने स्कूली शिक्षा में एआई को महत्व देना शुरू कर दिया हैं। राजधानी दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश ने एआई शिक्षा को लेकर कई कदम उठाए हैं। इन राज्य सरकारों ने सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम में एआई को प्राथमिकता दी है।

ये राज्य एआई स्कूल को लेकर उठा रहे कदम

मध्य प्रदेश के 53 स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई की जा रहा है। हाल ही में स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने एजुकेशन फॉर ऑल स्कूलों में प्रारंभ किए गए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय की कक्षा 8वीं और कक्षा 9वीं की पुस्तकें शामिल की हैं। मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित प्रदेश में कुल 53 स्कूलों में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय प्रारंभ किया गया है. इसे फिलहाल कक्षा 8वीं और 9वीं के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा।

पंजाब के सरकारी स्कूलों में भी बच्चों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बारे में पढ़ाया जाएगा। इसकी शुरुआत पंजाब के मोहाली के फेज-3 बी1 में स्थित सीनियर सेकेंडरी सरकारी स्कूल में हो गई है। इसके साथ ही बच्चे यहां रोबोट बनाना भी सीखने की तैयारी कर रहे हैं। अभी तक राज्य में ऐसा एक ही प्रोजेक्ट शुरू हुआ है। इसकी सफलता को देखने के बाद, इसे हर स्कूल तक पहुंचाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत कक्षा छठी से 8वीं तक के कुल 480 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में भी राज्य के स्कूली पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल किया जाएगा। पहली से पांचवीं तक के बच्चे छत्तीसगढ़ी और स्थानीय बोली में भी पढ़ाई कर सकेंगे। आगामी सत्र यानी 2024-25 को लेकर यह बदलाव किया जाएगा। इसे लेकर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) से तैयारी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में भी छात्र आने वाले दिनों में कोडिंग सीखेंगे। उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में लिए गये निर्णय के तहत प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों के लगभग 50 लाख विद्यार्थियों को बुनियादी कोडिंग की शिक्षा प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के कक्षा 6 से लेकर 8 तक के विद्यार्थी अब कोडिंग, कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अवधारणाओं को पढ़ एवं सीख सकेंगे। खबरों की मानें तो, राज्य सरकार द्वारा संचालित 45,000 से अधिक स्कूलों में अगले सत्र यानी 2024-25 से कक्षा छठीं से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रमों में कोडिंग, कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल किया जाएगा।

क्या है एआई कैसे, मिलती है बच्चों को इससे मदद?

देश में केरल में पहला एआई स्कूल हाल ही में शुरु किया गया है। इसके बाद यूपी के गाजियाबाद में उत्तर भारत का पहला ऐसा पूर्ण AI संस्थान खोला गया है। गाजियाबाद के अमेरिकन एडु ग्लोबल स्कूल अन्य स्कूलों की तरह ही है, लेकिन यहां मानव शिक्षकों के अलावा AI टूल से भी बच्चों को पढ़ाया जाएगा। एआई टूल की मदद से ही स्कूल में पाठ्यक्रम को डिजाइन किया गया है। स्कूल के प्रबंध निदेशक पीके सामल का कहना है कि यह स्कूल सैडल रिवर डे स्कूल, न्यू जर्सी, यूएसए से मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा आईसीएसई के साथ साथ कैम्ब्रिज से स्कूलों को मान्यता मिली हुई है। आने वाले दिनों में लखनऊ, सिरसा, पुणे और मुंबई में भी इस तरह का स्कूल स्थापित किया जाएगा। इन स्कूलों में छात्रों के लिए एआई का विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। छात्रों को अत्याधुनिक विषयों के साथ ही स्टीम, ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे विषयों पर बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। गाजियाबाद का पहला स्कूल 130 छात्रों के साथ शुरू हो चुका है। सामल कहते है कि, एजुकेशन अब प्रैक्टिकल और टेक बेस्ड हो गया है। जहा एआई से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप का बहुत ही महत्वपूर्ण रोल है। हमारे शैक्षणिक संस्थानों में हमने स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम को भी उतना ही महत्व दिया है जितना अन्य पाठ्यक्रम को देते है। इन स्कूलों में बच्चों को ट्रेडिशनल टीचिंग मेथड के अलावा एआई की मदद से एडवांस टूल और रिसोर्सेज प्रदान किए जायेंगे जिसकी मदद से वे भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हो पाएंगे।

एआई स्कूलों में होती है ये खास विशेषताएं...

- इस एआई स्कूल को छोटे बच्चों को ध्यान में रखते हुए विशेष कोर्स डिजाइन किया गया है। स्कूलों में बच्चों को मल्टीपल टीचर, परीक्षण के विभिन्न स्तर, एप्टीट्यूड टेस्ट, काउंसलिंग, कैरियर योजना और मेमोरी टेक्निक के बारे में जानकारी दी जाती है।
- इस स्कूल में बच्चों को किताबी ज्ञान के अलावा स्किल डेवलपमेंट भी सिखाया जाता है। जैसे इंटरव्यू स्किल, ग्रुप डिस्कशन, गणित और लेखन स्किल, शिष्टाचार में सुधार, अंग्रेजी और इमोशनल वेल बीइंग के बारे में भी जानकारी दी जाती है।
- एआई स्कूल की सबसे अच्छी विशेषताओं में से एक यह है कि यह छात्रों को उनके भविष्य की योजना बनाने में मदद करता है। यह उन्हें प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन करता है, ताकि वे विदेश में अध्ययन कर सकें।
- इसके पहले केवल सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में एआई एक विषय के तौर पर शामिल किया गया है. हालांकि सीबीएसई स्कूलों में ये केवल 12 घंटे के लिए पढ़ाया जाता है, जिस वजह से इसे एक विषय के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

प्रदेश में बढ़ा महिला वोटर्स का प्रतिशत..

मध्य प्रदेश में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए बीजेपी और कांग्रेस ने अपनी रणनीति लगभग तैयार कर ली है और उसे लेकर धरातल पर काम भी शुरू हो गया है। बीजेपी गुजरात वाली रणनीति पर एमपी में भी चांस लेने के मूड में है। पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि इस समय मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर की सुगबुगाहट सुनने में आ रही है। इसके लिए पार्टी को दो मोर्चों पर काम करना है। पहला अंदरूनी कलह को दूर करना और दूसरा बड़े वोट बैंक के बीच जुड़ाव बढ़ाने का काम। इसके लिए सिर्फ बीजेपी ही नहीं कांग्रेस ने भी रोडमैप तैयार कर लिया है।

मध्यप्रदेश में वोटरों की संख्या पर एक नजर

मध्यप्रदेश में वोटरों की संख्या के आंकड़े देखें तो इस समय 5 करोड़ 39 लाख 85 हजार 876 हो गए हैं। मीडियो को मिली रिपोर्ट की मानें तो वोटर लिस्ट अपडेशन में 13 लाख 39 हजार नए मतदाता के नाम जुड़े हैं। खास बात ये है कि इसमें पुरुष के मुकाबले महिला वोटर ज्यादा है। करीब 75 हजार से ज्यादा नाम जुड़े हैं। एमपी के 41 जिलों में महिलाओं का आंकड़ा ज्यादा है। प्रदेश के 52 में से 41 जिलो में महिला वोटरों के नाम ज्यादा जुड़े हैं। यानि महिला वोटरों का आंकड़ा 7।07 लाख बढ़ा है। मध्य प्रदेश के पुराने इलेक्शन में साल 2005 के बाद से लगातार महिला वोटरों का प्रतिशत बढ़ा है। साल 2014-15 के चुनाव में महिला मतदाताओं ने पुरुष मतदाताओं की बराबरी में वोटिंग की थी। ये ऐसे पता चलता है कि साल 2004 में पुरुष मतदाताओं का वोट प्रतिशत 78।84% और महिला मतदाताओं का वोट प्रतिशत 74।58% था। ये बाद में बढ़कर 2009 में पुरुष का 81।7% और महिला का प्रतिशत 79।21% रहा। वहीं 2014-15 में पुरुष मतदाताओं का वोट प्रतिशत 83।59% था और महिला मतदाताओं का वोट प्रतिशत 83।17 प्रतिशत था। इसलिए इस बार दोनों पार्टियों का इनपर फोकस है और शिवराज सरकार कई योजनाएं भी चला रही है।

एससी/एसटी और महिला वोटबैंक है जरूरी

एमपी में जीत की राह आदिवासी और एससीएसटी वोटबैंक के द्वार से होकर ही गुजरती है। इसके अलावा इस समय राजनीति का केंद्र प्रदेश की महिला वोटबैंक पर भी है। इस समय के ताजा आंकड़े तो यही बताते हैं कि देश की 50 प्रतिशत आबादी यानि महिलाओं की वोटिंग प्रतिशत में भी भागिदारी बढ़ी है। ऐसे में इन्हें लुभाने के लिए दोनों राजनीतिक दल कमर कस रहे हैं।

संसद में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी...

आजाद भारत में पहली बार लोकतंत्र के मंदिर संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। आपको बता दें कि इस समय राज्यसभा में कुल 25 महिला सांसद है जबकि लोकसभा में 78 महिला सासंद है। ऐसा पहली बार हुआ है जब संसद में महिलाओं ने 100 के आंकड़े को पार किया है। एमपी विधानसभा 2018 की बात करें तो इस विधानसभा चुनाव में महज 17 महिला ही विधायक बन पाई थी। जबकि 2013 विधानसभा में 31 महिला विधायक चुनी गई थी। ऐसे हालत में केंद्र और राज्य सरकारें लगातार कह रही है कि महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत होगी लेकिन घटते हुए आंकड़े महिलाओं की स्थिति कुछ और बता रहे हैं। बीजेपी के साथ कांग्रेस भी लुभाने में जुटी है। बीते उत्तर प्रदेश विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने लड़की हूं लड़ सकती हूं नाम का एक अभियान चलाया था। जिसके बैनर तले लड़कियों और महिलाओं को जोड़ने का काम किया था। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में यूपी की सड़कों पर कांग्रेसी इसके माध्यम से प्रचार - प्रसार करते नजर आए लेकिन विधान सभा चुनावों में कोई असर नहीं दिखा। इसी के तर्ज पर एमपी महिला कांग्रेस ने ये अभियान चलाया इसमें महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ओझा को जिम्मदारी दी गई थी।

विस जंग : कांग्रेस की 3 दमदार गारंटियों को सीएम ने छीना...

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां लोकलुभावन वादें कर रही हैं। कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को कुछ गारंटी दी थीं। इनमें से छह गारंटी दमदार थी, जिससे कांग्रेस प्रदेश की सियासत में बाजी पलट सकती थी। शिवराज सिंह चौहान ने इनमें से तीन दमदार गारटिंयों को कांग्रेस से छीन लिया है। ऐसे में पार्टी की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। उन्होंने इन गारंटियों को सिर्फ छीना ही नहीं बल्कि उस पर अमल में भी शुरू हो गया है। 27 अगस्त को एक झटके में तीन घोषणाओं से कांग्रेस को चित कर दिया है।

दरअसल, विधानसभा चुनाव से पहले एमपी में कांग्रेस ने छह गारंटी दी थी। इनमें से सबसे प्रमुख तीन थे। कांग्रेस ने वादा किया था कि लाड़ली बहना योजना की जगह हम नारी सम्मान योजना लाएंगे। इसके तहत हम महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने देंगे। साथ ही कांग्रेस ने महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा किया है। इसके अलावा 100 यूनिट तक बिजली फ्री और 200 यूनिट पर हाफ बिजली बिल की गारंटी दी थी।

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने छीन लिए तीनों गारंटी

दरअसल, शिवराज सिंह चौहान ने 27 अगस्त को प्रदेश की बहन-बेटियों को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने एक झटके में कांग्रेस की तीन गारंटी को छीन लिया है। आइए आपको सिलसिलेवार तरीके से बताता हूं कि शिवराज ने कमलनाथ की कौन-कौन की गारंटी छीन लिया है।

गौरतलब है कि शिवराज सिंह चौहान कांग्रेस की दमदार गारंटियों को छीन लिया है। चर्चा है कि सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर भी कुछ बीच का रास्ता निकालेगी। ऐसे में कांग्रेस के पास उसके वचन में पत्र में पब्लिक को लुभाने के लिए कुछ खास नहीं बचा है। शिवराज सिंह चौहान ने जब ये सारी घोषणाएं कर रहे थे, तब कमलनाथ ने 11 वचन जारी किए हैं। फिलहाल ये तो तय है कि शिवराज की चाल से कांग्रेस चित हो गई है।

1. कमलनाथ ने गारंटी दी थी कि नारी सम्मान योजना लाएंगे और इसके तहत महिलाओं को 1500-1500 रुपए देंगे। कांग्रेस की तरफ से इसके फॉर्म भी भरवाए जा रहे थे। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने ऐलान कर दिया कि हम लाड़ली बहना योजना की राशि 3000 रुपए तक बढ़ाएंगे। अक्टूबर से इस राशि को 1250 रुपए करने की घोषणा कर दी है। ऐसे में चुनाव की तारीख की घोषणा से पहले महिलाओं को 1250 रुपए मिलने लगेंगे। शिवराज की घोषणा से कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वोटरों को भरोसा दिलाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

2. इसके साथ ही प्रदेश में कांग्रेस ने गारंटी दी थी कि हमारी सरकार आई तो हम गैस सिलेंडर 500 रुपए में देंगे। 27 अगस्त को शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस से इस गारंटी को भी छीन लिया है। उन्होंने ऐलान कर दिया है कि सावन के महीने में महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेंगे। साथ ही शिवराज सिंह चौहान ने कह दिया कि आगे कोशिश करूंगा कि गैस सिलेंडर कम दाम में ही मिले।

3. वहीं, कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को यह भी गारंटी दी है कि हमारी सरकार आएगी तो 100 यूनिट बिजली फ्री रहेगी। साथ ही 200 यूनिट पर बिजली बिल हाफ हो जाएगा। शिवराज सिंह चौहान ने इस पर भी बड़ा दांव चल दिया। उन्होंने ऐलान कर दिया कि एमपी में गरीब महिलाओं को 100 रुपए से ज्यादा बिजली बिल नहीं आएगा।

हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका ने किया सर्वे

निवाड़ी से प्रदीप यादव प्रबल दावेदार टिकिट मिला तो जीत पक्की

• रवि परिहार-रविकांत शर्मा की रिपोर्ट

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव इसी वर्ष में होने है जिसमे फिलहाल कुछ ही दिन शेष है और चुनावी माहौल बनने लगा है इसी क्रम मे सभी पार्टियों के नेता अपने अपने टिकट की दावेदारी प्रस्तुत कर रहे है। इसी क्रम मे निवाडी सीट भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इस सीट पर बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा मतदाताओं को प्रभावित करेंगा साथ ही सहानुभूति लहर एवं उम्मीदवार का व्यवहार ओर उसका बैकग्राउंड भी महत्वपूर्ण रखेगा मतदाताओं के दिमाग में है। यह बात हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका की टीम ने जो अभी तक सर्वे किया उसके अनुसार प्रदीप यादव निवाडी जनता ओर मतदाताओं की नजर मैं प्रथम स्थान रखते है मतदाताओं का कहना है कि प्रदीप यादव को कांग्रेस उम्मीदवार बनाती है तो निश्चित इनकी जीत होगी। साथ ही 2008 मैं प्रदीप यादव की हारने की टीस जनता के मन मे कही ना कही जगह बनाये हुए है। अब देखते है कि कांग्रेस पार्टी किस पर विस्वास करती है अभी कुछ महीने शेष है।

जलवायु परिवर्तन :बढ़ सकती हैं प्राकृतिक घटनाएं

दरकते हिमालय के कारण खतरे की जद में उत्तराखंड-हिमाचल व लद्दाख

हिमालय और खास तौर पर मध्य हिमालय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को दरकते पहाड़ों और हिमस्खलन से सबसे ज्यादा खतरा है। यह खतरा ना केवल वर्तमान में बल्कि भविष्य में भी बना रहेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार यह पूरा इलाका बेहद संवेदनशील श्रेणी में आता है। हिमालय भारत में पृथ्वी पर सबसे ऊंची पर्वत शृंखला है। यह भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों के टकराने के कारण बनी है। भारतीय प्लेट के उत्तर(चीन) की ओर बढ़ने से चट्टानों पर लगातार दबाव पड़ता है, जिससे वे भुरभुरी और कमजोर हो जाती हैं। इस वजह से भूस्खलन की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है और भूकंप का भी खतरा है। जलवायु परिवर्तन के कारण भूस्खलन और हिमस्खलन की घटनाएं न केवल बढ़ेंगी बल्कि बेमौसम कहर भी बरपाएंगी। हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख भी इससे अछूते नहीं हैं। जर्नल अर्थ्स फ्यूचर में प्रकाशित एक शोध अध्ययन के अनुसार हिमाचल,उत्तराखंड और लद्दाख अब भूस्खलन की दृष्टि से बेहद खतरनाक श्रेणी में आ चुके हैं।

देश के कुल भूस्खलन के मामलों में उत्तर-पश्चिम हिमालय का योगदान 67 प्रतिशत के करीब है। हिमाचल और उत्तराखंड में हो रही भूस्खलन की घटनाओं के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि हिमालय में अवैज्ञानिक निर्माण, घटते वन क्षेत्र और नदियों के पास पानी के प्रवाह को अवरुद्ध करने वाली संरचनाएं भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं का कारण बन रही हैं। सड़कों के निर्माण और

चौड़ीकरण के लिए पहाड़ी ढलानों की व्यापक कटाई, सुरंगों और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए विस्फोट में वृद्धि भी भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं के मुख्य कारण हैं। विशेषज्ञों के अनुसार तलहटी में चट्टानों के कटाव और जल निकासी की उचित व्यवस्था की कमी के कारण हिमाचल व उत्तराखंड में ढलानें भूस्खलन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो गई। वैज्ञानिकों ने इस भयावह स्थिति का आकलन करने के लिए हिंदू कुश, काराकोरम, पश्चिमी हिमालय, पूर्वी हिमालय, मध्य हिमालय और हेंगडुआन शान क्षेत्र में इन खतरों का विश्लेषण किया है। इसमें उन्होंने हिमालय की इन छह प्रमुख पर्वत शृंखलाओं में रहने वाले लोगों, बुनियादी ढांचे, सड़कों पर मंडराते खतरे को मापने का प्रयास किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल में 2022 में बड़े भूस्खलन की घटनाओं में 6 गुना चिंताजनक हुई। 2020 में 16 की तुलना में 2022 में 117 बड़ी भूस्खलन की घटनाएं हुईं।

दुखद सूचना

हमारे बड़े भाई पोहरी एस डी एम श्री शिवदयाल धाकड़ जी की मां का देहांत

दिनांक 28/09/2023को हो गया है। महादेव माताजी की आत्मा को शांति प्रदान करे और इस दुख को भाई और भाई के परिवार को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मनोज चतुर्वेदी और हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका का समस्त परिवार।

ॐ शांति

कम आय वाले देशों में 5 में केवल एक बच्चा ही जा रहा है स्कूल...

आंकड़ों के अनुसार माध्यमिक शिक्षा और उससे अधिक शिक्षित माताओं से जन्मे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम में भाग लेने की संभावना उन बच्चों की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक है, जिनकी माताओं ने केवल शुरुआती शिक्षा पूरी की है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 25 करोड़ बच्चे आज भी स्कूली शिक्षा से वंचित हैं। दक्षिण एशिया में तीन करोड़ 50 लाख से अधिक बच्चे उम्र के अनुरूप पूर्व प्राथमिक शिक्षा में शामिल नहीं हो रहे हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार भी जिन देशों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा से वंचित बच्चों की संख्या बढ़ी है वे गहरी असमानताओं से पीड़ित होने के कगार पर हैं। कम आय वाले देशों में 5 में से केवल एक बच्चा पूर्व प्राथमिक शिक्षा में नामांकित है।

इस बारे में संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को ने अपनी नई रिपोर्ट 'एसडीजी मिडटर्म प्रोग्रेस रिव्यु' में जानकारी दी है कि 2021 से अब तक स्कूली शिक्षा से वंचित बच्चों की संख्या कम होने की जगह बढ़ रही है और यह आंकड़ा पिछले दो वर्षों में 60 लाख की बढ़ोतरी के साथ 25 करोड़ पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व स्तर पर घरेलू संपत्ति, माताओं की शिक्षा का स्तर और भौगोलिक स्थिति पूर्व प्राथमिक शिक्षा में बच्चों की उपस्थिति के लिए प्रमुख निर्धारकों में से हैं। हालांकि गरीबी एकमात्र सबसे बड़ा निर्धारण कारक है। 64 देशों में सबसे गरीब बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लेने की संभावना अमीर परिवारों के बच्चों की तुलना में सात गुना कम है। कुछ देशों के लिए अमीर-गरीब का विभाजन और भी अधिक दुखदायी है। आंकड़ों के अनुसार माध्यमिक शिक्षा और उससे अधिक शिक्षित माताओं से जन्मे बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम में भाग लेने की संभावना उन बच्चों की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक है, जिनकी माताओं ने केवल शुरुआती शिक्षा पूरी की है। संघर्ष या आपदा से प्रभावित 33 देशों में रहने वाले पूर्व प्राथमिक आयु के दो तिहाई से अधिक बच्चे नामांकित नहीं हैं।

भाजपा प्रदेश चुनाव में पूर्ण बहुमत हासिल करेगी : सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मामा के नाम से मशहूर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर परोक्ष कटाक्ष करते हुए खुद को चाचा के रूप में पेश किया। सत्तारूढ़ भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लिए अपने 39 उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही घोषित कर दी है। चुनाव कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य की कुल 230 में से 150 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। 2018 के चुनावों में भगवा पार्टी ने 109 सीटें जीती थीं, जो 116 के साधारण बहुमत से कम थीं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी भाजपा मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करके सत्ता बरकरार रखेगी। हालांकि, सिंधिया ने यह अनुमान लगाने से परहेज किया कि साल के अंत में होने वाले 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कितनी सीटें जीतेगी। सिंधिया मार्च 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने ग्वालियर-चंबल संभाग की अपनी यात्रा के दौरान यहां संवाददाताओं से कहा, मैं ज्योतिषी नहीं हूं जो यह बताऊं की भाजपा कितनी सीटें जीतेगी। लेकिन हम राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे।" ग्वालियर चंबल संभाग में 34 विधानसभा क्षेत्र आते हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के रणनीतिकार अमित शाह के ग्वालियर दौरे के बाद पार्टी कार्यकर्ता ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं और वे अब नए जोश के साथ चुनाव के लिए काम करेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश की यात्रा पर सिंधिया ने कहा कि हर कोई जानता है कि उन्होंने दिल्ली के साथ कैसा व्यवहार किया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में है। आप संयोजक केजरीवाल ने रविवार को सतना में एक अभियान रैली को संबोधित किया और मध्य प्रदेश में बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपये के मासिक भत्ते के अलावा मुफ्त बिजली, चिकित्सा उपचार और गुणवत्तापूर्ण स्कूलों के निर्माण सहित विभिन्न गारंटियों का आश्वासन दिया।

उन्होंने मामा के नाम से मशहूर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर परोक्ष कटाक्ष करते हुए खुद को चाचा के रूप में पेश किया। सत्तारूढ़ भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लिए अपने 39 उम्मीदवारों की पहली सूची पहले ही घोषित कर दी है। चुनाव कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य की कुल 230 में से 150 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। 2018 के चुनावों में भगवा पार्टी ने 109 सीटें जीती थीं, जो 116 के साधारण बहुमत से कम थीं।

सिंधिया का कांग्रेस पर तंज, बोले- मोहब्बत की दुकान में नफरत का सामान

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ 'जन माफी यात्रा' वाली टिप्पणी को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस की 'मोहब्बत की दुकान' में केवल 'नफरत वाली चीजें' हैं। सिंधिया ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, 'चाहे कांग्रेस या कमलनाथ जी कितनी भी गारंटी या 'यात्रा' निकाल लें, उनकी 'मोहब्बत की दुकान' में केवल 'नफरत का सामान' है।' उन्होंने आगे कहा, 'चाहे कोई भी गारंटी या 'यात्रा' हो, यह शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए उस पर पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के कार्यकाल के दौरान 'भ्रष्टाचार' करने का आरोप लगाया। शाह ने मध्य प्रदेश के मंडला में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'इस भ्रष्टाचार नाथ ने 51 से अधिक गरीब कल्याण योजनाएं बंद कर दीं...सीएमओ धन संग्रह कार्यालय बन गया। कांग्रेस कार्य समिति 'भ्रष्टाचार कार्य समिति' बन गई...।' वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने शनिवार को राज्य में 'जन आशीर्वाद यात्रा' निकालने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की और कहा कि उन्हें (भाजपा) 'जन माफी यात्रा' निकालनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दावा किया कि मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा 150 से अधिक सीटें जीत कर फिर से सत्ता में काबिज होगी। उन्होंने महाकौशल क्षेत्र के मंडला में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं आज दावे से कहने आया हूं। 'मिस्टर बंटाधार' (कांग्रेस नेता एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह) और 'करप्शननाथ' (मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ) दोनों सुन लो, जिस दिन 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष इस जन आशीर्वाद का समापन होगा, उसी दिन तय हो जाएगा कि मध्य प्रदेश में 150 से अधिक सीटों के साथ भाजपा विजयी होगी।

लाडली बहना भारत के इतिहास की सबसे बड़ी योजना : सीएम

विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और उनके साथी जिंदगी भर लड़ते रहे। अब सारे भ्रष्ट लोग एक हो रहे हैं। ये सनातन धर्म को गाली दे रहे हैं। ये सनातन धर्म, हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं।'' चौहान ने कहा, ''दुनिया की कोई भी ताकत आ जाए लेकिन सनातन धर्म को खत्म नहीं कर सकती।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश की 'मुख्यमंत्री लाडली बहना' योजना भारत के इतिहास की सबसे बड़ी योजना है। चौहान ने मुरैना जिले के कैलारस कस्बे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'जन आशीर्वाद यात्रा' को संबोधित करते हुए कहा, ''लाडली बहना, ये साधारण योजना नहीं है, ये भारत के इतिहास की सबसे बड़ी योजना है। बहनों के सम्मान के आगे (इस योजना के तहत सालाना खर्च किए जा रहे) 15,000 करोड़ रुपये कुछ नहीं है।'' 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना' योजना के तहत प्रदेश की 1.25 करोड़ महिलाओं को इस साल जून से प्रतिमाह 1,000 रुपये दिए जा रहे हैं और चौहान ने 27 अगस्त को इसे बढ़ाकर अक्टूबर से 1,250 रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की है।

इस साल अल्पवर्षा के कारण संकट का सामना कर रहे किसानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''किसान भाइयों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कर्ज भाजपा की सरकार ने दिया।किसानों को मैं अल्पवर्षा के कारण हुए संकट के पार निकालकर ले जाऊंगा।'' चौहान ने कहा कि हम मध्य प्रदेश में निवेश लेकर आएंगे ताकि व्यापार और उद्योग बढ़े। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''कमलनाथ ने वल्लभ भवन को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया। कमलनाथ ने हमारी सभी योजनाएं बंद कर दी। एक योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाले 16,000 रुपये बंद कर दिये। (मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत) बेटियों की शादी कराकर पैसे नहीं दिये।

बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा बंद कर दी।'' चौहान ने कहा कि हम बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा के लिए ले जा रहे हैं। 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' के तहत, राज्य सरकार पात्र जोड़ों को वित्तीय सहायता के रूप में 56,000 रुपये प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता के कल्याण के लिए एक-एक करके कई योजनाएं शुरू कर रही है। चौहान ने कहा, ''व्यापार बढ़े, व्यापार और सरल हो, गरीब किसान, बेटा-बेटी और आम जनता की जिंदगी सुधरे उसमें मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ऐसे यशस्वी नेता हैं जिन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है।

कोई 'आंतरिक कलह' नहीं, प्रदेश में सीएम पद का प्रत्याशी पार्टी तय करेगी : शिवराज

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रही है और पार्टी के भीतर कोई 'आंतरिक कलह' नहीं है।

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रही है और पार्टी के भीतर कोई 'आंतरिक कलह' नहीं है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के 2020 में भाजपा में शामिल होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''सिंधिया जी के साथ आए लोग दूध में चीनी की तरह हमारी पार्टी में मिल गए हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि भाजपा मध्य प्रदेश में एकजुट होकर काम कर रही है।''

मध्य प्रदेश में भाजपा बंटी हुई है या नहीं, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''बेशक, नेता अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार अलग-अलग काम करते हैं। यहां तक कि एक परिवार में दो भाइयों के काम करने का तरीका भी अलग-अलग होता है।'' इंडिया टीवी के 'आप की अदालत' कार्यक्रम में सवालों का जवाब देते हुए चौहान ने कहा कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय करेगी। समाचार चैनल की ओर से

जारी एक विज्ञप्ति में चौहान के हवाले से कहा गया, ''पार्टी मुख्यमंत्री बनाएगी। जनता मुख्यमंत्रीबनाएगी।'' बातचीत के दौरान चौहान ने बताया कि कैसे उन्हें 2005 में मुख्यमंत्री बनाया गया था, जब वह संसद सदस्य थे और दिल्ली में रहते थे। उन्होंने कहा, ''मैं मुख्यमंत्री इसलिए बना, क्योंकि पार्टी चाहती थी और मुझे लोगों का आशीर्वाद प्राप्त था। 2005 में, जब मैं पहली बार मुख्यमंत्री बना, तो मुझे नहीं पता था कि मुझे चुना गया है। भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक हो रही थी और मैं सांसद के तौर पर दिल्ली के पंडित पंत मार्ग स्थित आवास में था।'' उन्होंने याद करते हुए कहा, ''अचानक मेरी पत्नी ने मुझे जगाया और बताया कि टीवी चैनल ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं कि मुझे मुख्यमंत्री चुना गया है। मैंने उससे कहा कि दिन में सपने देखना छोड़ दो।

'आदेश की अवमानना करने वालों पर अदालतों को दया दिखाने की जरूरत नहीं'

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, माफी बिना शर्त के अयोग्य और प्रामाणिक हो सकती है, फिर भी अगर आचरण गंभीर है, जिससे संस्थान की गरिमा को नुकसान पहुंचा है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि न्यायिक संस्थानों के उदार रवैये ने बेईमान वादियों को आदेश की अवमानना करने या उल्लंघन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर अवमाननाकर्ता उन्हें एक शक्तिशाली हथियार और कानूनी चाल के रूप में इस्तेमाल करते हैं, तो अदालतों को दया दिखाने की जरूरत नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय की ओर से यह टिप्पणी तब सामने आई जब वह गुजरात उच्च न्यायालय के एक मामले पर फैसला सुना रही थी। उच्च न्यायालय ने संपत्ति विवाद में 2015 में दिए गए वचन की जानबूझकर अवज्ञा करने के लिए 'अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971' के तहत पांच लोगों को सजा सुनाई थी। उच्च न्यायालय को दिए गए वचन के बावजूद इस मामले में अपीलकर्ताओं ने विभिन्न पक्षों के पक्ष में 13 बिक्री विलेख (सेल डीड) निष्पादित किए। उच्च न्यायालय ने उनमें से तीन को दो महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी और शेष दो को सजा के बदले एक लाख रुपये का भुगतान करने को कहा था।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि फर्जी माफी स्वीकार नहीं की जानी चाहिए और अदालत अवमाननाकर्ताओं द्वारा मांगी गई माफी को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है। एक सच्ची माफी आत्मनिरीक्षण, प्रायश्चित और आत्म-सुधार का एक गहरा नैतिक कार्य होना चाहिए। इसकी अनुपस्थिति में माफी को तमाशा कहा जा सकता है। पीठ ने कहा, माफी बिना शर्त के अयोग्य और प्रामाणिक हो सकती है, फिर भी अगर आचरण गंभीर है, जिससे संस्थान की गरिमा को नुकसान पहुंचा है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब किसी वचन या आदेश की अवज्ञा पूरी चेतना के साथ हो तो अदालतों में दया दिखाने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। पीठ ने कहा कि कानून द्वारा शासित समाज के लिए न्यायिक कार्यवाही की पवित्रता सर्वोपरि है अन्यथा लोकतंत्र की इमारत टूट जाती है और अराजकता का शासन होता है।

उड़ान के लिए तैयार अयोध्या... देश के अनेक शहरों से जुड़ेगा नेटवर्क

अयोध्या में बन रहे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल और रनवे का काम अंतिम चरण में चल रहा है। जिस तरीके से काम चल रहा है, उससे अनुमान यही लगाया जा रहा कि अगले दो महीने के भीतर इस हवाई अड्डे से संचालन किया जाने लगेगा।

अगले दो महीने के भीतर देश के अलग-अलग शहरों से अयोध्या के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ दिया जाएगा। योजना के मुताबिक शुरुआती दौर में देश के पांच बड़े शहरों से उड़ानें शुरू किए जाने की तैयारी कर दी गई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से अयोध्या के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जल्द से जल्द शुरू किए जाने की मॉनिटरिंग की जा रही है। शुक्रवार को अयोध्या के एयरपोर्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक के बारे में एयरपोर्ट अथॉरिटी और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों की एक बैठक भी हुई।

अयोध्या में बन रहे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल और रनवे का काम अंतिम चरण में चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, जिस तरीके से एयरपोर्ट पर काम चल रहा है उससे अनुमान यही लगाया जा रहा है कि अगले दो महीने के भीतर इस हवाई अड्डे से संचालन किया जाने लगेगा। योजना यही है कि शुरुआती चरण में पांच बड़े शहरों से अयोध्या को सीधे तौर पर जोड़ा जाए। दिल्ली, मुंबई,, बंगलूरू, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर शामिल हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अयोध्या में शुरुआती चरण में इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट के अलावा विस्तारा की फ्लाइट को शुरू किए जाने की तैयारी चल रही है।

अयोध्या के एयरपोर्ट को लेकर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के अधिकारियों को भी अपडेट्स लगातार दिए जा रहे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही अयोध्या के एयरपोर्ट का रनवे और टर्मिनल का काम पूरा हो जाएगा, उसके तुरंत बाद डीजीसीए से अनुमति लेकर उड़ानों को संचालित कर दिया जाएगा। बैठक के बाद अयोध्या के एयरपोर्ट पर काम में तेजी लाने के दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, टर्मिनल अंतिम चरण में चल रहा है। दरअसल, योजना के मुताबिक अयोध्या में राम मंदिर के शुभारंभ से पहले ही एयरपोर्ट और यहां के रेलवे स्टेशन को शुरू कर दिया जाएगा। ताकि देश और दुनिया भर से आने वाले लोगों के लिए पहुंचने की सुगम और उचित व्यवस्था हो सके। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जिस तरीके से एयरपोर्ट पर काम चल रहा है उसे अनुमान यही लगाया जा रहा है कि नवंबर महीने में अयोध्या से पहली उड़ान शुरू हो सकती है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान कैथोलिक ईसाई मठों ने यहूदियों को दी थी शरण : दस्तावेज

बयान के मुताबिक दस्तावेज बाइबिल संस्थान के अभिलेखागार से मिला, जो जेसुइट द्वारा संचालित पोंटिफिकल ग्रेगोरियन विश्वविद्यालय से संबद्ध है। इसमें 4,300 से अधिक लोगों की सूची है जिन्हें 100 महिलाओं और 55 पुरुषों की धार्मिक संपत्तियों में आश्रय दिया गया था। बयान में कहा गया है, उनमें से 3,600 की पहचान नाम से की गई है, और रोम के यहूदी समुदाय के अभिलेखागार में शोध से पता चलता है कि 3,200 निश्चित रूप से यहूदी थे।

अनुसंधानकर्ताओं को नए दस्तावेज प्राप्त हुए हैं जो उन खबरों की पुष्टि करते हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रोम में कैथोलिक ईसाइयों के कॉन्वेंट और मठों ने यहूदियों को आश्रय दिया था। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक दस्तावेजों में कम से कम 3,200 यहूदियों के नाम दर्ज हैं जिनकी पहचान शहर के यहूदी समुदाय के सदस्य के तौर पर गई है। पोंटिफिकल बाइबिल इंस्टीट्यूट, इजराइल के याद वाशेम हॉलोकॉस्ट (यूरोप में यहूदी जनसंहार) अनुसंधान संस्थान और रोम के यहूदी समुदाय के अनुसंधानकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को रोम के मुख्य यहूदी प्रार्थनगृह सिनागोगके हिस्से शोआ संग्रहालय में आयोजित एक अकादमिक सम्मेलन में अनुसंधान के नतीजे को सामने रखा।

दस्तावेजों में रोम पर नाजी कब्जे के दौरान तत्कालीन पोप पायस 12वें की भूमिका पर कोई प्रकाश नहीं डाला गया है। इतिहासकारों के बीच पायस की विरासत को लंबी बहस हुई है। उनके समर्थक दावा करते हैं कि उन्होंने यहूदियों को बचाने के लिए कूटनीति का इस्तेमाल किया जबकि आलोचकों का कहना है कि जब वेटिकन के बगल में रोम निवासी यहूदियों को गिरफ्तार किया गया और निर्वासित किया गया तब वह चुप रहे। पोंटिफिकल बाइबिल इंस्टीट्यूट, याद वाशेम और रोम के यहूदी समुदाय ने एक संयुक्त बयान में कहा कि नए दस्तावेज में उन लोगों के नाम और पते दर्ज हैं जिन्हें युद्ध के दौरान कैथोलिक संस्थानों में आश्रय दिया गया था।

इससे पहले इटली के समकालीन इतिहासकार रेन्जो डी फेलिस ने 1961 की अपनी किताब में अस्पष्ट रूप से उल्लेख किया था। बयान के मुताबिक दस्तावेज बाइबिल संस्थान के अभिलेखागार से मिला, जो जेसुइट द्वारा संचालित पोंटिफिकल ग्रेगोरियन विश्वविद्यालय से संबद्ध है। इसमें 4,300 से अधिक लोगों की सूची है जिन्हें 100 महिलाओं और 55 पुरुषों की धार्मिक संपत्तियों में आश्रय दिया गया था। बयान में कहा गया है, उनमें से 3,600 की पहचान नाम से की गई है, और रोम के यहूदी समुदाय के अभिलेखागार में शोध से पता चलता है कि 3,200 निश्चित रूप से यहूदी थे।

पोती से दुष्कर्म मामले में बुजुर्ग को किया बरी, कहा- पीड़िता की गवाही भरोसेमंद नहीं

मुंबई की एक विशेष अदालत ने पोती से दुष्कर्म मामले में बुजुर्ग व्यक्ति को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उसे पीड़िता की गवाही भरोसेमंद नहीं लगी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) के तहत गठित अदालत की अध्यक्षता कर रही विशेष न्यायाधीश कल्पना पाटिल ने पांच सितंबर को आरोपी को बरी कर दिया।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जांच के विभिन्न चरणों में पीड़ित लड़की द्वारा बताए गए अलग-अलग नामों और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले व्यक्ति का नाम छिपाने की उसकी हरकत को ध्यान में रखते हुए, पीड़ित लड़की की मौखिक साक्ष्य विश्वसनीय नहीं लगते है। अदालत ने कहा कि उसकी गवाही किसी अन्य सबूत से भी मेल नहीं खाती है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़िता, नाबालिग, अपने दादा-दादी के साथ रहती थी। जून 2018 में, लड़की अपने दादा के सामने बेहोश हो गई और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां यह पता चला कि वह गर्भवती थी। इसके बाद, उसके दादा ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पूछताछ के दौरान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने एक लड़के के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे, जिससे वह गर्भवती हो गई. बाद में, उसने एक और बयान दिया, जिसमें कहा गया कि उसके दादा ने उसके साथ जबरदस्ती यौन संबंध बनाए और उसे धमकी भी दी कि वह अपने कृत्य के बारे में किसी और को न बताए। लड़की ने पुलिस को बताया कि उसे अक्तूबर 2017 में अपनी गर्भावस्था के बारे में पता चला। पीड़िता ने पुलिस को अपने निजी अंगों को कथित तौर पर बुजुर्ग रिश्तेदार द्वारा सिगरेट या माचिस की तीली से जलाने की भी जानकारी दी। अदालत के आदेश में कहा गया है कि पीड़िता ने स्वीकार किया है कि जब उसका मासिक धर्म नहीं हुआ तो उसने यह बात अपनी सहेली को बताई और अपनी सहेली की मां के साथ अस्पताल गई। इसमें कहा गया है कि फिर सवाल उठता है कि पीड़िता ने आरोपियों की करतूतों के बारे में उन्हें क्यों नहीं बताया।

प्रधानमंत्री मोदी का संरा में सुधार का आह्वान, कहा-

21वीं शताब्दी में नहीं चल सकता मध्य 20वीं सदी का रवैया...

वर्तमान में संरा सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य और 10 ऐसे गैर स्थायी सदस्य देश होते हैं जिनका चयन संरा महासभा में दो वर्ष के कार्यकाल के लिए होता है। रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका पांच स्थायी सदस्य हैं और ये देश किसी भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर वीटो लगा सकते हैं।

विश्व की बदलती सच्चाइयों के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जोरदार वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 21वीं सदी में 20वीं शताब्दी के मध्य का रवैया नहीं चल सकता तथा संरा में इस प्रकार सुधार होने चाहिए ताकि सभी पक्षों का संरा में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। पिछले सप्ताह 'पीटीआई -भाषा' को दिये विशेष साक्षात्कार में मोदी ने कहा कि जी-20 ऐसी संस्था है जिसे ''परिणामों और कार्रवाई की उम्मीद में बैठे कई देशों द्वारा''उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है, भले ही ''वे कहीं से भी प्राप्त हों।'' जी-20 का वर्तमान अध्यक्ष होने के नाते भारत, नयी दिल्ली में 9-10 सितंबर को इस प्रभावशाली

समूह की प्रमुख वार्षिक बैठक की मेजबानी करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा,''विश्व आज बहुध्रुवीय है जहां नियमों पर आधारित ऐसी व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण है जो सभी सरोकारों के लिए जायज और संवेदनशील हो। बहरहाल, संस्थाएं तभी प्रासंगिक रह सकती हैं जब वह बदलते समय के अनुरूप परिवर्तित हों।' उन्होंने कहा, ''21वीं सदी में 20वीं शताब्दी के मध्य का दृष्टिकोण काम नहीं कर सकता। लिहाजा हमारे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को बदलती हुई सच्चाइयों की वास्तविकता को समझने, निर्णय लेने वाले मंचों का विस्तार करने, उनकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने और सभी पक्षों की आवाजों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।''

मोदी ने करीब 80 मिनट तक चले साक्षात्कार में कहा, ''यदि समय रहते इस दिशा में कार्रवाई नहीं की जाती है तो छोटे या क्षेत्रीय मंच अधिक महत्वपूर्ण आकार लेने लगते हैं।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से जी-20 उन संस्थाओं में से एक है जिसकी ओर बहुत से देश उम्मीद के साथ देख रहे हैं क्योंकि विश्व परिणाम और कार्रवाई चाहता है, भले ही यह कहीं से भी आयें।

राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए करें कार्य

राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे शिक्षक और छात्र मिलकर कर्तव्य काल में भारत को एक विकसित देश बनने की दिशा में तेजी से आगे लेकर जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एक मजबूत और जीवंत शिक्षा प्रणाली को विकसित करने पर जोर दिया गया है। शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 75 चयनित पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षकों और छात्रों को चरक, सुश्रुत और आर्यभट्ट से लेकर चंद्रयान-3 तक की उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करनी चाहिए और उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए कार्य करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे शिक्षक और छात्र मिलकर कर्तव्य काल में भारत को एक विकसित देश बनने की दिशा में तेजी से आगे लेकर जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एक मजबूत और जीवंत शिक्षा प्रणाली को विकसित करने पर जोर दिया गया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार माना गया है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को समझना और उन क्षमताओं को विकसित करने में बच्चे की मदद करना शिक्षकों का भी कर्तव्य है और अभिभावकों का भी। बच्चे की मदद

करने के लिए, शिक्षकों में बच्चे के प्रति संवेदनशीलता का होना आवश्यक है। राष्ट्रपति ने कहा कि अध्यापन कार्य में महिलाओं की भागीदारी को देखते हुए मैं चाहूंगी कि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों में महिलाओं की संख्या में वृद्धि हो। छात्राओं और अध्यापिकाओं को प्रोत्साहित करना महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत जरूरी है।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जैसे किसी मकान की मजबूती उसकी नींव के मजबूत होने पर आधारित होती है, उसी तरह जीवन को सार्थक बनाने के लिए चरित्र-बल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि आज के दिन मुझे अपने आदरणीय शिक्षक तो याद आते ही हैं, वे बच्चे भी याद आते हैं जिन्हें मैंने ओडिशा के राय रंगपुर में श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल में पढ़ाया था। उन बच्चों के प्यार को मैं अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल करती हूं।

दुष्कर्म मामले में बरी होते ही महाकाल पहुंचे मिर्ची बाबा...

लगाई गुहार- भ्रष्ट सीएम को बदलो

दुष्कर्म के आरोपों से बरी होते ही वैराग्यानंद उर्फ मिर्ची बाबा उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने महाकाल बाबा से चिल्ला-चिल्लाकर गुहार लगाई कि इस भ्रष्ट सीएम को हटाओ।

भोपाल की जेल में बंद वैराग्यानंद गिरी उर्फ मिर्ची बाबा को कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपों से बरी कर दिया है। पीड़ित पक्ष आरोप साबित नहीं कर सका। इस आधार पर कोर्ट ने मिर्ची बाबा को बरी कर दिया। कोर्ट के आदेश के बाद मिर्ची बाबा भोपाल की सेंट्रल जेल से रिहा हुए। वे शुक्रवार को बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे। बाबा महाकाल के दरबार मे जब उन्हें दर्शन करने गर्भगृह में नहीं जाने दिया तो उनका आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने नंदी हॉल से बाबा महाकाल के दर्शन किए। साथ ही चिल्ला-चिल्लाकर बाबा महाकाल से गुहार लगाई कि हम पर दया रखना और प्रदेश से भ्रष्ट मुख्यमंत्री को बदल देना।

निरंजनी अखाड़ा के वैराग्यानंद गिरी उर्फ मिर्ची बाबा शुक्रवार दोपहर को बाबा महाकाल के दर्शन करने मंदिर में पहुंचे। मिर्ची बाबा को गर्भगृह में प्रवेश नहीं दिया गया। उन्हें नंदी हॉल से ही दर्शन करने को कहा गया। इस पर वे नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि गर्भगृह में जब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय जैसे लोग जा सकते हैं तो फिर निरंजनी अखाड़े के संत को गर्भगृह में जाने से क्यों रोका जा रहा है? गर्भगृह में नहीं जाने से मिर्ची बाबा नाराज थे। उन्होंने पहले बाबा महाकाल के दर्शन किए। फिर नंदी हॉल में चिल्लाते हुए कहा कि 'हे महाकाल, दया करना। इस भ्रष्ट मुख्यमंत्री को बदल देना। इसके राज में संत पीड़ित हो गए हैं। सब दुखी हो गए हैं। मध्य प्रदेश में संतों के साथ अनाचार किया जा रहा है। बाबा महाकाल तेरे सामने एक संत रो-रोकर चीख-चीख कर यह मांगता है कि इस भ्रष्ट मुख्यमंत्री को बदल देना जो मंदिर में दर्शन करने के लिए निरंजनी अखाड़े के संतों को रोकता है। आज तेरे दरबार में एक संत चिल्लाता है कि हमें झूठे केस में फंसाया जा रहा है। बाबा महाकाल इन लोगों का झूठ समाप्त कर देना। हे बाबा महाकाल, प्रार्थना स्वीकार करना। हर हर महाकाल...' यह बात कहते हुए मिर्ची बाबा नंदी हॉल से बाहर निकल गए।

यह भी बोले मिर्ची बाबा

नंदी हॉल में मिर्ची बाबा ने कहा कि मैं सच्चे कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने की बात करता हूं इसीलिए मेरा विरोध किया जाता है। आज भी मुझे बाबा महाकाल के दर्शन गर्भगृह से इसीलिए नहीं करने दिए गए। गर्भगृह में जब कैलाश विजयवर्गीय जैसे लोग जा सकते हैं तो फिर निरंजनी अखाड़े के संतों का गर्भग्रह में प्रवेश वर्जित क्यों है। मिर्ची बाबा को कमलनाथ सरकार के समय मंत्री का दर्जा प्राप्त था। 2018 के चुनावों से पहले उन्होंने मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ मोर्चा खोला था। कांग्रेस के पक्ष में प्रचार भी किया था।

दो दिन पहले आया था न्यायालय का फैसला

भोपाल की अदालत में जज समृता सिंह ठाकुर ने बुधवार को फैसला सुनाया था। मिर्ची बाबा पर निसंतान महिला ने नशीली भभूत खिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों को अभियोजन पक्ष साबित नहीं कर पाया। इसके बाद कोर्ट ने मिर्ची बाबा को बरी कर दिया। भोपाल के महिला थाने में 8 अगस्त 2022 को केस दर्ज हुआ था। नौ अगस्त 2022 को भोपाल पुलिस ने मिर्ची बाबा को ग्वालियर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से मिर्ची बाबा सेंट्रल जेल में बंद थे।

दिग्गी की जीत के लिए किया था 5 क्विंटल मिर्ची से हवन

मिर्ची बाबा ने पिछले लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की जीत के लिए पांच क्विंटल मिर्ची से हवन किया था। उस समय मिर्ची बाबा ने दावा किया था कि दिग्विजय सिंह चुनाव नहीं जीते तो वह जल समाधि ले लेंगे। दिग्विजय सिंह ने भोपाल से लोकसभा चुनाव लड़ा था और वह भाजपा की साध्वी प्रज्ञा सिंह से चुनाव हार गए। इसके बाद बाबा जलसमाधि की अपनी बात से पलट गए थे।

सोने का गलत तरीका बिगाड़ सकता है आपकी सेहत

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हर रात को 7-9 घंटे की नींद लेना सभी के लिए जरूरी है। यह आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सोने के समय के साथ इसके सही तरीके का ध्यान रखना भी सभी लोगों के लिए आवश्यक हो जाता है। आपने पहले भी सुना होगा कि सोने की अच्छी मुद्रा का ध्यान रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

सोने की अलग-अलग स्थिति आपके कंधों, गर्दन और रीढ़ की हड्डी पर प्रभाव डालती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गलत तरीके से सोने के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम सभी सोने के सही तरीके के बारे में जानें और इसका पालन करें।

सोने के सही तरीके का मतलब उस मुद्रा से है जो आपके मांसपेशियों, तंत्रिकाओं को आराम देती है। इतना ही नहीं अध्ययनकर्ताओं ने यहां तक बताया कि अगर आप सही तरीके से सोते हैं तो यह स्लीप एपनिया और खर्राटे आने की समस्या को भी कम कर सकती है।

करवट लेकर सोना : अधिकांश लोग करवट लेकर सोना पसंद करते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वयस्क अपना आधे से अधिक समय करवट लेकर सोने में बिताते हैं। ऐसा माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ यह अधिक सामान्य हो जाता है क्योंकि आपकी रीढ़ की हड्डी में लचीलापन कम हो जाता है। करवट लेकर या अपने पैरों को मोड़कर सोने से आपके वायुमार्ग को खुला रखने में मदद मिलती है। इससे खर्राटों और हल्के स्लीप एपनिया को भी कम किया जा सकता है।

सोने का सही तरीका

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, औसतन हम अपने जीवन का लगभग एक तिहाई हिस्सा लेटकर या सोते हुए बिताते हैं। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, रोजमर्रा के दर्द और तकलीफों को कम करने के लिए सोने के सही तरीके के बारे में जानना बहुत आवश्यक हो जाता है। आइए जानते हैं कि किस तरीके से सोने का आपके शारीरिक स्थिति पर क्या असर हो सकता है?

पीठ के बल सोना

आपकी नींद की मुद्रा को बेहतर बनाने के लिए पीठ के बल सोना सबसे अच्छी स्थिति मानी जाती है। यह बेहतर संरेखण को बढ़ावा देने के साथ बाहों और पैरों पर दबाव कम करता है। गर्दन या पीठ दर्द से पीड़ित लोगों को विशेषकर पीठ के निचले हिस्से में दर्द की समस्या को कम करने के लिए पीठ के बल सोना सबसे लाभकारी माना जाता है।

खराब मुद्रा बढ़ा सकती है आपकी दिक्कतें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, सोने-बैठने के गलत तरीके के कारण पूरी सेहत पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बाधित करने वाली समस्या भी हो सकती है। खराब मुद्रा के कारण तनाव की समस्या से लेकर, मांसपेशियों में कमजोरी और लचीलापन, गर्भावस्था और मोटापे की भी दिक्कत हो सकती है।

वर्कआउट के बाद जरूर खानी चाहिए यें चीजें, शरीर को मिलेगा भरपूर पोषण...

व्यायाम और एक्सरसाइज के बाद शरीर को सही पोषण देना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि एक्सरसाइज के बाद सही पोषण आपकी तंदुरुस्ती और स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। हम आपको 10 पोस्ट वर्कआउट मील के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके शरीर को बेहतर रिकवरी देने का काम करते हैं। व्यायाम और एक्सरसाइज के बाद शरीर को सही पोषण देना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि एक्सरसाइज के बाद सही पोषण आपकी तंदुरुस्ती और स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। एक्सरसाइज के बाद सही पोस्ट वर्कआउट भोजन खाने से आपके शरीर की मांसपेशियों का निर्माण होने के साथ उन्हें ऊर्जा मिलती है। जिससे आपकी पुनर्वास गति अच्छी होती है।

ऐसे में हर व्यक्ति को अपने डेली रूटीन में एक्सरसाइज को शामिल करना चाहिए। साथ ही एक्सरसाइज के बाद पोस्ट वर्कआउट मील्स जरूर करना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 10 पोस्ट वर्कआउट मील के बारे में बताने जा रहे हैं। जो आपके शरीर को बेहतर रिकवरी देने का काम करते हैं।

प्रोटीन शेक

एक्सरसाइज करने के बाद प्रोटीन शेक पीना एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। यह आपके शरीर को त्वरित रूप से प्रोटीन पहुंचाने का काम करता है। साथ ही आपके शरीर की मांसपेशियों की मरम्मत करने में मदद करता है।

स्टीम्ड वेजिटेबल्स और ग्रिल्ड चिकन- स्वादिष्ट और स्वस्थ स्टीम्ड वेजिटेबल्स के साथ ग्रिल्ड चिकन खाना चाहिए। इससे आपके शरीर को प्रोटीन, फाइबर और पोटैशियम मिलता है।

ओटमील और ड्राई फ्रूट्स- ओटमील में फाइबर और कार्बोहाइड्रेट्स पाया जाता है। यह आपके शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। वहीं ड्राई फ्रूट्स में मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स भी आपके शरीर के लिए अच्छा होता है।

ग्रीक योगर्ट और बेरीज- ग्रीक योगर्ट में प्रोटीन पाया जाता है। वहीं बेरीज में एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ग्रीक योगर्ट और बेरीज के सेवन से आपके शरीर को रिकवरी में मदद मिलती है।

खिचड़ी- बता दें कि खिचड़ी आसानी से पकने वाला भोजन है। खिचड़ी में कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन पाया जाता है। यह आपके शरीर को वर्कआउट करने के बाद आराम पहुंचाने में मदद करता है।

तिल के लड्डू- तिल के लड्डू में प्रोटीन और ईश्वरीय तत्व पाए जाते हैं। तिल के लड्डू शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने का काम करते हैं।

ब्राउन राइस और तरकारी- ब्राउन राइस में मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स आपके शरीर को ऊर्जा प्रदान करने का काम करता है। वहीं तरकारी में विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

अंडा भुर्जी- बता दें कि अंडा भुर्जी में प्रोटीन और विटामिन डी पाया जाता है। अंडा भुर्जी मांसपेशियों की निर्माण करने में मदद करता है।

मूंगफली और छाछ- मूंगफली में प्रोटीन और छाछ में प्रोबायोटिक्स पाया जाता है। यह आपके पाचन क्रिया में सुधार करता है और शरीर की रिकवरी को बढ़ावा देता है।

सूप- आप सूप में तरह-तरह की सब्जियां डाल सकती हैं। यह आपके शरीर को विभिन्न पोषक तत्व प्रदान कर सकती हैं। सूप आपके शरीर को रिकवरी तेजी से बढ़ावा देता है।

कम पानी पीने से शरीर में बढ़ने लगता है यूरिक एसिड, कंट्रोल करने के उपाय

शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने पर हाथ-पैरों में दर्द, सूजन और ज्वाइंट्स व उंगलियों में दर्द की समस्या हो सकती है। यह एक अपशिष्ट पदार्थ होता है। बता दें कि जो लोग पानी का सेवन कम करते हैं उन्हें यह समस्या होने की ज्यादा संभावना होती है। यूरिक एसिड खून में पाया जाने वाला एक अपशिष्ट पदार्थ होता है। यह शरीर में तब बनने लगता है, जब प्यूरीनयुक्त डाइट से शरीर में यूरिक एसिड अधिक बनने लगता है। ज्यादातर यूरिक एसिड ब्लड में घुल जाता है। फिर किडनी के जरिए यूरिन शरीर से बाहर निकल जाता है। बता दें कि जब शरीर में अधिक यूरिक एसिड रहता है, तो हाइपरयुरिसीमिया नामक स्थिति उत्पन्न हो सकता है।

यह यूरिक एसिड के क्रिस्टल बनने की वजह भी बन सकता है। जो जोड़ों में जम सकता है और अर्थराइटिस का कारण बन जाता है। यूरिक एसिड से ना सिर्फ अर्थराइटिस बल्कि हार्ट डिजीज, डायबिटीज, किडनी की समस्या भी हो सकती है। शरीर में बढ़ी हुई यूरिक एसिड को कम करने में पानी अहम भूमिका निभाता है। जो लोग पानी का कम सेवन करते हैं उनमें यूरिक एसिड का खतरा ज्यादा होता है और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करने से इस समस्या के होने की आशंका कम होती है। बता दें कि जिन लोगों को पहले से ही अर्थराइटिस या फिर जोड़ों में दर्द की परेशानी होती है। उनमें यूरिक एसिड की समस्या होने पर अधिक दर्द होता है। हालांकि अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में बदलाव कर इस समस्या से बचा जा सकता है। सही लाइफस्टाइल का चुनाव कर इससे बचा जा सकता है।

मौसमी चीजें अधिक खाएं

यूरिक एसिड की समस्या से बचने के लिए व्यक्ति को किन्नू, संतरा, गाजर, खीरा और हरे पत्तेदार सब्जियों का सेवन अधिक करना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना चाहिए। दही और दाल का सेवन कम करना चाहिए। इसके अलावा डेली रूटीन में एक्सरसाइज को शामिल करें। इससे यूरिक एसिड कंट्रोल में रहता है।

महाभारत काल से जुड़ा है इतिहास

गिनीज बुक रिकॉर्ड में दर्ज दिल्ली के इस हनुमान मंदिर का नाम...

दिल्ली के कनॉट प्लेस के बाबा खड्ग सिंह मार्ग पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंगलवार के दिन इस मंदिर में भीड़ का यह आलम होता है कि यहां पैर तक रखने की जगह नहीं होती है। वैसे तो पूरे भारत को आस्था और श्रद्धा का केंद्र माना जाता है, लेकिन कुछ ऐसी फेमस जगहें हैं, जिनके प्रति लोगों में अटूट आस्था देखने को मिलती है। बता दें कि ऐसा ही एक मंदिर दिल्ली में है। जहां पर हजारों की संख्या में भक्त रोजाना माथा टेकने के लिए आते हैं। कनॉट प्लेस के बाबा खड्ग सिंह मार्ग पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में ना सिर्फ दिल्ली के लोग बल्कि विश्व भर से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। प्राचीन समय से मान्यता होने के कारण यहां इस मंदिर में लोग पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर के बारे में कुछ अनोखी जानकारी देने जा रहे हैं।

मंगलवार को लगता है भक्तों का तांता

हनुमान मंदिर में दर्शन करने के लिए हर मंगलवार श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंगलवार के दिन इस मंदिर में भीड़ का यह आलम होता है कि यहां पैर तक रखने की जगह नहीं होती है। इसके अलावा हनुमान जन्मोतस्व के मौके पर भजन संध्या होता है और भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस दौरान भक्त मंदिर पहुंचकर प्रसाद जरूर ग्रहण करते हैं।

दर्शन के लिए पहुंचती हैं बड़ी हस्तियां

मंदिर की मान्यता इस कदर है कि यहां पर दर्शन के लिए राजनीति से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियां भी पहुंचती हैं। यह मंदिर महाभारत काल से बाल हनुमान को समर्पित है। इस प्राचीन हनुमान मंदिर में आम और खास लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। देश के कई दिग्गज नेता, मंत्री और सीएम तक मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर में विश्व का सबसे लंबा जाप

बताया जाता है कि इस मंदिर को पांडवों द्वारा स्थापित पांच मंदिरों में से एक माना जाता है। इस मंदिर में 1 अगस्त 1964 से श्री राम, जय राम, जय जय राम मंत्र का जाप लगातार चौबीस घंटे किया जा रहा है। इसी वजह से मंदिर का नाम गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में भी दर्ज हो चुका है। कहा जाता है कि यह विश्व का सबसे ज्यादा लंबा जाप है। इस मंदिर की वर्तमान इमारत आंबेर के महाराजा मान सिंह प्रथम ने मुगल शासक अकबर के शासन काल में बनवाया था।

अकबर बन गया था मुरीद

अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान संत तुलसीदास जी ने बाल स्वरुप हनुमान जी के दर्शन किए थे। बताया जाता है कि संत तुलसीदास जी ने यही बैठकर हनुमान चालीसा लिखी थी। जब इस बात की खबर मुगल शासक अकबर को मिली तो उन्होंने तुलसीदास जी को दरबार आने के लिए कहा। जब तुलसीदास मुगल बादशाह अकबर के दरबार पहुंचे तो उनसे चमत्कार दिखाने के लिए कहा। हालांकि यह काम तुलसीदास के लिए मुश्किल था, लेकिन फिर भी उन्होंने कर दिखाया। तुलसीदास के चमत्कार से खुश होकर सम्राट अकबर ने कनॉट प्लेस में स्थित हनुमान मंदिर के शिखर पर इस्लामी चंद्रमा और किरीट कलश भेंट किया था। जिसके बाद किसी भी मुस्लिम आक्रमणकारी ने फिर कभी भी मंदिर पर हमला नहीं किया। बताया जाता है कि अकबर भी बाल हनुमान के मुरीद हो गए थे। इतनी ही नहीं इस मंदिर में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी दर्शन के लिए पहुंचे थे। बराक ओबामा ने भारत दौरे के दौरान मंदिर में दर्शन किए थे।

ऐसे पहुंचे हनुमान मंदिर

कनॉट प्लेस में स्थित हनुमान मंदिर पहुंचने के लिए आपको राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर उतरना होगा। यह हनुमान मंदिर के पास का मेट्रो स्टेशन है। मेट्रो स्टेशन से मंदिर की दूरी कुछ मीटर की है। जिसे आप पैदल भी कवर कर सकते हैं।

विश्व में फेमस हैं इन जगहों की आरती..

भव्यता और दिव्यता देख रह जाएंगे दंग...

अगर आप भी किसी धार्मिक स्थल पर जाने की प्लानिंग बना रहे हैं। तो आपको एक बार विश्व प्रसिद्ध इन आरतियों को जरूर देखना चाहिए। आरती का दृश्य मात्र देखने से ही कोई भी व्यक्ति भक्ति के रस में डूब जाता है।

अगर आप भी अपनी फैमिली के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बना रहे हैं। तो आपको विश्व भर में प्रसिद्ध इन आरती को एक बार जरूर देखना चाहिए। बता दें कि भारत में फेमस ये आरतियां किसी भी व्यक्ति को भक्तिभाव से सराबोर कर देती हैं। इसी वजह से लोग मानसिक शांति की प्राप्ति के लिए दूर-दराज से इन जगहों पर फेमस आरती देखने के लिए आते हैं। आइए जानते हैं इन धार्मिक जगहों के बारे में...

गंगा आरती

भारत की गंगा आरती पूरी दुनिया में फेमस है। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर होने वाली गंगा आरती को देखने के लिए लाखों की संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। गंगा आरती का दिव्य नजारा किसी का भी आसानी से मन मोह सकता है। गंगा आरती का दृश्य मात्र देखने से ही कोई भी व्यक्ति भक्ति के रस में डूब जाता है। बता दें कि गंगा आरती के दर्शन के लिए भक्त न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों से भी यहां पहुंचते हैं। हालांकि हरिद्वार की तर्ज पर ही अब ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयाग और चित्रकूट में भी गंगा आरती की जाती है।

महाकालेश्वर मंदिर

मध्यप्रदेश के उज्जैन में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थित है। यहां पर महाकाल की आरती के दौरान एक ऐसा स्वरूप देखने को मिलता है। जो आपको अन्य किसी जगह पर देखने को नहीं मिलेगा। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में चिता की राख से भगवान शिव की पूजा की जाती है। इसके अलावा हर साल महाकालेश्वर मंदिर में शिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। यहां पर भस्म आरती देखने के लिए देश-विदेश से लोग पहुंचते हैं।

बांके बिहारी की आरती

मथुरा में बांके बिहारी मंदिर में भी दिव्य और भव्य आरती की जाती है। बांके बिहारी जी की आरती देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध रह जाता है। यह मंदिर बेहद खूबसूरत होने के साथ ही भक्तों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। यहां पर होने वाली आरती भी भव्य और मनोरम होती है। इस मंदिर की खासियत है कि मंदिर के सामने एक दरवाजे पर पर्दा लगा हुआ है। यह पर्दा हर 1 या 2 मिनट के अंतराल पर बंद किया व खोला जाता है। यहां पर होने वाली आरती को देखने के लिए दूर-दूर से भक्त मथुरा पहुंचते हैं।

केदारनाथ की आरती

उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर पहाड़ों और नदियों से घिरा हुआ है। इस मंदिर तक पहुंचने की यात्रा काफी ज्यादा कठिन है। लेकिन इसके बाद भी भक्त इस यात्रा को पूरी कर मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बता दें कि केदारनाथ धाम ज्योतिर्लिंग 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।
इस मंदिर में सुबह शिव-पिंड को प्राकृतिक रूप से स्नान आदि करवाकर उस पर घी का लेपन लगाया जाता है। इसके बाद धूप-दीप कर आरती की जाती है। जिसके बाद भक्त मंदिर में प्रवेश कर पूजा आदि कर सकते हैं। लेकिन शाम को भगवान शिव का श्रृंगार किया जाता है। हालांकि इस दौरान भक्त सिर्फ दूर से ही दर्शन कर पाते हैं।

गाउन पर सेलिब्रिटी की तरह बनाएं हेयर स्टाइल, खूबसूरत दिखेंगी आप

अप-टू-डेट और स्टाइलिश दिखने के लिए हम अपने आपको अलग-अलग लुक कैरी करते हैं। मेकअप और आउटफिट के बार परफेक्ट हेयर स्टाइल होना बहुत जरूरी है। आजकल गाउन का ट्रेंड काफी ज्यादा चल रहा है। हम आपको गाउन के साथ स्टाइल किए जाने वाले कुछ ट्रेंडी हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। अप-टू-डेट और स्टाइलिश दिखने के लिए हम अपने आपको अलग-अलग लुक कैरी करते हैं। मेकअप और आउटफिट के बार परफेक्ट हेयर स्टाइल होना बहुत जरूरी है। आजकल गाउन का ट्रेंड काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आज हम आपको गाउन के साथ स्टाइल किए जाने वाले कुछ ट्रेंडी हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हेयर स्टाइल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेंगे। साथ ही आपका लुक भी स्टाइलिश लगेगा।

हाफ-टाई बन हेयर स्टाइल

बता दें कि आज के समय में हाफ-टाई बन हेयर स्टाइल काफी चलन में है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे छोटे साइज वाले डोनट का उपयोग करना चाहिए। वहीं बचे हुए बालों को हेयर स्टाइलिंग टोंग की मदद से कर्ल कर लें। इस तरह से आपका हेयर स्टाइल बन जाएगी।

मेसी पोनीटेल

मेसी लुक देखने में काफी मॉडर्न लगने के साथ बेहतरीन भी लगता है। इस हेयर स्टाइल को बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। इस हेयर स्टाइल को सजाने के लिए बालों की सिर्फ एक लेयर को पोनीटेल के शुरुआत में गोल-गोल व्रैप कर लें। बता दें कि इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए हेयर स्टाइलर की मदद से पहले सारे बालों को कर्ल कर लें। बालों को कर्ल करने से एक बाउंस बनकर तैयार हो जाएगा। यह हेयर स्टाइल आपको खूबसूरत होने के साथ प्रोफेशनल टच देगा।

ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल

कुछ लोग बालों को खुला रखना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को खुला रखना पसंद है। तो हम आपको मिनटों में बनने वाले हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल बनाना काफी ज्यादा आसान है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे पहले आप बालों की एक-एक लेयर की ट्विस्टिंग करनी होगी। इसके बाद उसे पिनअप करना होगा। बचे हुए बालों को भी लेंथ तक कर्ल कर दें। इसके बाद इसे सजाने के लिए आप बीड्स या फ्लोरल हेयर क्लिप का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

बादाम-शहद

के फेस पैक से स्किन बनेगी हेल्दी व जवां

हेल्दी स्किन पाने के लिए लोग स्किन ट्रीटमेंट का भी सहारा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि अपनी स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए आपको बाहरी प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि केवल बादाम और शहद की जरूरत होती है। खूबसूरत और हेल्दी स्किन पाने के लिए रोजाना अपनी स्किन की देखभाल करता बेहद जरूरी होता है। इसके अलावा स्किन को हेल्दी रखने के लिए कड़े कदम भी उठाने होते हैं। हालांकि हेल्दी स्किन पाने के लिए लोग स्किन ट्रीटमेंट का भी सहारा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि अपनी स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए आपको बाहरी प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि केवल बादाम और शहद की जरूरत होती है। तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से बादाम और शहद से बने फेस पैक का इस्तेमाल करें एवं पाएं बेदाग त्वचा।

फेस पर लगाने के फायदे

- बादाम को फेस पर लगाने से आपकी स्किन को नेचुरल ऑयल मिलता है।
- इसमें मौजूद तत्व स्किन को लचीला और जवां बनाए रखते हैं।
- फेस पर ग्लो लाने के लिए बादाम का तेल काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

फेस पर शहद लगाने के फायदे

- एक स्टडी के मुताबिक शहद स्किन को नैचुरली एक्सफोलिएट करने में फायदेमंद होता है।
- चेहरे में मौजूद पोर्स को शहद साफ करने में मदद करता है।
- स्किन को मुलायम करने में शहद काफी फायदेमंद साबित होता है।
- इसके अलावा शहद स्किन को मॉइस्चराइज करने में मददगार होता है।

बेदाग त्वचा पाने के लिए

- शहद और बादाम का फेस पैक बनाने के लिए आप 5-7 बादाम को रात में पानी में भिगोकर रख दें।
- इसके बाद अगले दिन भिगोए हुए बादामों को अच्छे से पीस लें।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने

नीरज ने फिर रचा इतिहास

लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर और 3000 मीटर स्टीपलचेस में अविनाश साबले पदक के दावेदार थे लेकिन फाइनल के लिये भी क्वालीफाई नहीं कर सके। पिछली बार विश्व चैम्पियनशिप में चोपड़ा को ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने हराया था। उस समय चोपड़ा ने 88 . 13 मीटर के साथ रजत पदक जीता था।

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने पुरूषों की भालाफेंक स्पर्धा में 88 . 17 मीटर के थ्रो के साथ यह उपलब्धि हासिल की। भालाफेंक फाइनल में भारत का इस कदर दबदबा था कि शीर्ष छह में तीन भारत के खिलाड़ी थे और ऐसा विश्व चैम्पियनशिप में पहली बार हुआ है कि शीर्ष आठ में तीन भारतीय रहे हों। किशोर जेना रविवार की देर रात हुए फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 84 . 77 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। वहीं डी पी मनु छठे स्थान पर रहे जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 84 . 14 मीटर का था। 25 वर्ष के चोपड़ा ने पहला प्रयास फाउल रहने के बाद दूसरे में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। इसके बाद उन्होंने 86 . 32 मीटर, 84 . 64 मीटर , 87 . 73 मीटर और 83 . 98 मीटर के थ्रो फेंके।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 87 . 82 मीटर के सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत और चेक गणराज्य के याकूब वालेश ने कांस्य पदक जीता जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 86 . 67 मीटर का था। चोपड़ा ने फाउल के साथ शुरू किया लेकिन दूसरे प्रयास में बढत बनाई जो अंत तक कायम रही। पाकिस्तान के नदीम भी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर आ गए और आखिर में पहले दो स्थान इन्हीं दोनों को मिले। निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद एक ही समय पर ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जीतने वाले चोपड़ा दूसरे भारतीय बन गए। बिंद्रा ने 23 वर्ष की उम्र में विश्व चैम्पियनशिप और 25 वर्ष की उम्र में ओलंपिक स्वर्ण जीता था। तोक्यो में 2021 ओलंपिक में एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा पहले भारतीय बने। उन्होंने 2022 में यूजीन में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। उनसे पहले लंबी कूद में अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2003 में पेरिस विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

एक ही समय पर ओलंपिक और विश्व खिताब जीतने वाले वह तीसरे भालाफेंक खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी और नॉर्वे के आंद्रियास टी यह कारनामा कर चुके हैं। जेलेज्नी ने 1992, 1996 और 2000 में ओलंपिक खिताब जीते जबकि 1993, 1995 और 2001 में विश्व चैम्पियनशिप जीती थी। आंद्रियास ने 2008 ओलंपिक और 2009 विश्व चैम्पियनशिप जीते थे। अब चोपड़ा के नाम खेल के सारे खिताब हो गए हैं। उन्होंने एशियाई खेल (2018), राष्ट्रमंडल खेल (2018) स्वर्ण के अलावा चार डायमंड लीग खिताब और पिछले साल डायमंड लीग चैम्पियन ट्रॉफी जीती। वह 2016 में जूनियर विश्व चैम्पियन रहे और 2017 में एशियाई चैम्पियनशिप खिताब जीता। इस बीच एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए पहली बार फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में पांचवें स्थान पर रही।

भारत के मोहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मोहम्मद अजमल वारियाथोडी और राजेश रमेश की चौकड़ी ने फाइनल में दो मिनट 59 . 92 सेकंड का समय निकाला। पारूल चौधरी ने नौ मिनट 15 . 31 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया लेकिन महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस में 11वें स्थान पर रही। इससे पहले रिकॉर्ड ललिता बाबर (9 :19.76) के नाम था जो 2015 विश्व चैम्पियनशिप में आठवें स्थान पर रही थी। चैम्पियनशिप के आखिरी दिन चोपड़ा के स्वर्ण ने भारतीय खेमे में खुशी की लहर भर दी। चोपड़ा, जेना, मनु, पारूल, पुरूषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम और जेस्विन एल्ड्रिन (लंबी कूद फाइनल में 11वां स्थान) के अलावा बाकी भारतीयों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर और 3000 मीटर स्टीपलचेस में अविनाश साबले पदक के दावेदार थे लेकिन फाइनल के लिये भी क्वालीफाई नहीं कर सके। पिछली बार विश्व चैम्पियनशिप में चोपड़ा को ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने हराया था। उस समय चोपड़ा ने 88 . 13 मीटर के साथ रजत पदक जीता था।

निहारिका कहती हैं, मैं हमेशा प्यार में रहती हूं

फोटोशूट से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया...

एक रिश्ता जरूरी है, और प्यार रोज होना चाहिए, हो सकता है कि यह लंबे समय तक न रहे, लेकिन आपको हमेशा फिर से प्यार ढूंढना होगा। प्यार आपकी दिनचर्या में होना चाहिए, जिस तरह आप उठते हैं, अपने दांत ब्रश करते हैं, खाते हैं, उसी तरह आपको दैनिक आधार पर प्यार करना चाहिए रायजादा ने कहा।

अभिनेत्री निहारिका रायजादा ने खूबसूरत और हॉट जंगल फोटोशूट से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया, जिससे वह ब्लॉक की सबसे desired अभिनेत्रियों में से एक बन गईं, लेकिन उनकी डेटिंग प्राथमिकताएं और प्रेम की परिभाषा आपके दिल को छू जाएगी।

लक्ज़मबर्ग में जन्मी और पली-बढ़े, एक योग्य हृदय रोग विशेषज्ञ, स्वाभाविक सुंदरता और नृत्य और गायन के प्रति एक स्वस्थ जुनून, निहारिका को भारत ले आए और कुछ ही समय में उन्होंने मसान, टोटल धमाल, सूर्यवंशी और आईबी 71 जैसी फिल्मों से अपने प्रशंसकों को लुभाया। अपने हालिया साक्षात्कार के दौरान, निहारिका ने अपनी लव लाइफ, डेटिंग सीन, डेटिंग प्राथमिकताएं और बहुत कुछ के बारे में बात की।

प्यार के बारे में बात करते हुए निहारिका ने कहा, ''निहारिका रायजादा हमेशा प्यार में रहती हैं, मैं भी लगातार प्यार में हूं, मैंने पहले भी कहा है, ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब मैं प्यार में नहीं होती। अगर मैं किसी रिश्ते में नहीं हूं, तो मैं दिन के अंत तक यह सुनिश्चित कर लेती हूं कि किसी तरह मैं रिश्ते में हूं, मुझे लगता है कि हर किसी व्यक्ति को रिश्ता रखना चाहिए क्योंकि एक बार जब आप रिश्ते में होते हैं, तो आप हमेशा खुश रहते हैं, आप हमेशा अच्छा महसूस करते हैं और मैं उस तरह की व्यक्ति हूं जो हर समय खुश रहने की कोशिश करती है।"

"एक रिश्ता जरूरी है, और प्यार रोज होना चाहिए, हो सकता है कि यह लंबे समय तक न रहे, लेकिन आपको हमेशा फिर से प्यार ढूंढना होगा।" प्यार आपकी दिनचर्या में होना चाहिए, जिस तरह आप उठते हैं, अपने दांत ब्रश करते हैं, खाते हैं, उसी तरह आपको दैनिक आधार पर प्यार करना चाहिए" रायजादा ने कहा।

जब निहारिका से उनकी डेटिंग प्राथमिकताओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "मुझे लंबे लोग पसंद हैं, और वह धूम्रपान न करने वाला, शराब न पीने वाला और वो डोह lover होना चाहिए। मुझे बिल्ली प्रेमी विशेष रूप से भरोसेमंद नहीं लगते।

नुसरत भरूचा का छलका दर्द! ड्रीम गर्ल -2 में कास्ट न किए जाने पर कहा- मैं इंसान हूं, मुझे बुरा लगा...

2019 की कॉमेडी ड्रीम गर्ल में नुसरत भरुचा ने आयुष्मान खुराना के साथ मुख्य भूमिका निभाई। हाल ही में नुसरत ने सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 के लिए नहीं चुने जाने पर अपनी निराशा व्यक्त की। फिल्म में नुसरत भरुचा की जगह अनन्या पांडे को लिया गया है।

2019 की कॉमेडी ड्रीम गर्ल में नुसरत भरुचा ने आयुष्मान खुराना के साथ मुख्य भूमिका निभाई। हाल ही में नुसरत ने सीक्वल ड्रीम गर्ल 2 के लिए नहीं चुने जाने पर अपनी निराशा व्यक्त की। फिल्म में नुसरत भरुचा की जगह अनन्या पांडे को लिया गया है। यानी की आयुष्मान खुराना के साथ मुख्य भूमिका में नई नायिका के रूप में अनन्या पांडे हैं। अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने ने एक साक्षात्कार में कहा कि उनके पास इस बारे में कोई स्पष्टीकरण या तर्क नहीं है कि उन्हें क्यों बदला गया और वह निर्माताओं की पसंद से निराश और आहत थीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं ड्रीम गर्ल 1 का हिस्सा थी और मुझे वह पूरी टीम बहुत पसंद है। मुझे उनके साथ काम करने की बहुत याद आती है। लेकिन उन्होंने मुझे ड्रीम गर्ल 2 में क्यों नहीं लिया, मुझे लगता है कि केवल वे ही इसका जवाब दे सकते हैं। मुझे नहीं पता, इसका कोई तर्क नहीं है और इसका कोई जवाब नहीं है। लेकिन उन्होंने मुझे कास्ट क्यों नहीं किया? मैं एक इंसान हूं, इसलिए बेशक दुख होता है और निःसंदेह यह अनुचित लगता है। लेकिन मैं समझ गयी, यह उनका निर्णय है। बढ़िया, कोई समस्या नहीं।

नुसरत ने कहा कि 'ड्रीम गर्ल' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही. हालाँकि, इसका सीक्वल बनाते समय मुझसे संपर्क नहीं किया गया और मुख्य अभिनेत्री के रूप में मेरी जगह अनन्या पांडे को ले लिया गया। अपने साथ ऐसा अन्याय देखकर मैं स्तब्ध और दुखी हूं। एक इंसान के तौर पर मुझे ये बात बहुत बुरी लगती है. हालाँकि, मैंने मन बना लिया है कि यह फैसला निर्माता-निर्देशक का होगा। हालांकि, नुसरत ने इस फिल्म की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं। नुसरत की फिल्म अकेली भी उसी दिन सिनेमाघरों में हिट होती है, जिस दिन ड्रीम गर्ल 2 अपनी शुरुआत के साथ आती है। उन्होंने इस संयोग पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मुझे नहीं पता था कि मेरी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के साथ ही रिलीज होने वाली है। फिल्म अकेली में, अभिनेत्री एक पत्रकार की भूमिका निभाती है, जो एक जांच कहानी को देखते हुए खुद को एक जोखिम भरे परिदृश्य में पाती है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, राधिका आप्टे और अदिति राव हैदरी के अलावा महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं, इसका निर्देशन प्रणय मेश्राम ने किया है।

फिल्म देखने के बाद हेमा मालिनी ने की 'गदर 2' की तारीफ

सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई के साथ तहलका मचा रही है। फिल्म हर दिन जबरदस्त कमाई कर रही है। जबकि कई प्रशंसक और मशहूर हस्तियां पहले ही सनी की फिल्म और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा कर चुकी हैं। सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई के साथ तहलका मचा रही है। फिल्म हर दिन जबरदस्त कमाई कर रही है। जबकि कई प्रशंसक और मशहूर हस्तियां पहले ही सनी की फिल्म और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा कर चुकी हैं। 'गदर 2' की समीक्षा करने वालों में नया नाम अभिनेत्री हेमा मालिनी का हैं। सप्ताहांत में अभिनेत्री ने गदर 2 देखी। थिएटर से बाहर निकलने के बाद में, उन्होंने लोगों से बात की कि और कहा कि फिल्म बहुत अच्छी है और उसे देखने में उन्हे आनंद आया। अब सनी ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि हेमा मालिनी धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी हैं। सनी की मां प्रकाश कौर हैं।

हेमा मालिनी ने शनिवार, 19 अगस्त को सिनेमाघरों में 'गदर 2' देखी। उन्होंने मीडिया को बताया कि उन्होंने न केवल फिल्म का आनंद लिया बल्कि सनी के अभिनय की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा,मैंने अभी गदर देखी। मुझे यह बहुत पसंद आई। जैसी उम्मीद थी, यह बिल्कुल वैसा ही है। यह बहुत दिलचस्प है। यह 70 और 80 के दशक की फिल्म जैसा लगा। अनिल शर्मा ने उस युग को दिखाया है, इसे खूबसूरती से निर्देशित किया गया है।'

हेमा मालिनी ने कहा, "सनी शानदार हैं, उत्कर्ष, अनिल शर्मा जी के बेटे अनहोने ने भी बहुत सुंदर अभिनय किया है। जो नई लड़की है, वो भी बहुत अच्छी है। ये पिक्चर देख कर एक दम राष्ट्र की प्रति जो भाव होना चाहिए, देशभक्ति, वो बहुत ही है। मुस्लिम के प्रति जो भाई चारा होना चाहिए, उस विषय को आखिरी में लेके आए है (अनिल शर्मा जी के बेटे उत्कर्ष ने भी बहुत सुंदर अभिनय किया है। नई लड़की भी बहुत अच्छी है। फिल्म देखने के बाद देशभक्ति का एहसास होना चाहिए देश के प्रति है। अंत में मुस्लिम के प्रति भाईचारा भी दिखाया गया है।'

सनी देओल की प्रतिक्रिया : सनी देओल ने हेमा मालिनी का वीडियो रीपोस्ट किया, जिसमें वह थिएटर के बाहर फिल्म के बारे में बात करते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे कुछ भी कैप्शन नहीं दिया। उन्होंने ज़ी स्टूडियोज़ के इंस्टाग्राम हैंडल द्वारा साझा की गई 'गदर 2' की स्क्रीनिंग से हेमा मालिनी की एक तस्वीर भी रीपोस्ट की। इसमें लिखा था, 'जब हिंदुस्तान की ड्रीम गर्ल ने देखी हिंदुस्तान के बेटे की कहानी।'

थैंक्यू फॉर कमिंग का ट्रेलर लॉन्च

अटकलें सामने आने के बाद ऐसा लग रहा है कि जो जोनस और सोफी टर्नर तलाक ले रहे हैं। संगीतकार ने गेम ऑफ थ्रोन्स की अभिनेत्री से चार साल पहले शादी की थी। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक 34 साल के जो जोनास और 27 साल की सोफी टर्नर की शादी में दिक्कतें आ रही हैं। पूरे देश में इस समय इंडिया बनाम भारत की डीबेट तूल पकड़ रही है। माना जा रहा है सरकार जल्द ही संसद के विशेष सत्र में इंडिया का नाम बदल कर परमानेंट भारत करने वाली है। एक तरफ भारत सरकार भारत का नाम बदलकर भारत करने की योजना बना रही है वहीं दूसरी तरफ अक्षय कुमार ने अपनी आगामी फिल्म 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू' का नाम बदल दिया है। पहले इसका नाम 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू' था।

अटकलें सामने आने के बाद ऐसा लग रहा है कि जो जोनस और सोफी टर्नर तलाक ले रहे हैं। संगीतकार ने गेम ऑफ थ्रोन्स की अभिनेत्री से चार साल पहले शादी की थी। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक 34 साल के जो जोनास और 27 साल की सोफी टर्नर की शादी में दिक्कतें आ रही हैं। जो ने मियामी में तलाक के लिए अर्जी दायर की है। अदालती दस्तावेज़ों में कहा गया है कि उनकी शादी 'पूरी तरह से टूट गई है।' जोड़े के तलाक की खबर तब सामने आई जब एक प्रमुख समाचार पोर्टल ने खुलासा किया कि जो ने एक तलाक वकील को काम पर रखा है। तलाक की अफवाहों के बीच ऑस्टिन, टेक्सास में अपने हालिया प्रदर्शन के दौरान उन्हें अपनी शादी की अंगूठी पहने हुए देखा गया था।

मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा, 'शुद्ध देसी रोमांस' ने 6 सितंबर को 10 साल पूरे कर लिए। यह अविश्वसनीय है कि ऋषि कपूर, परिणीति चोपड़ा और वाणी कपूर के साथ सुशांत सिंह राजपूत वाली फिल्म ने एक दशक पूरा कर लिया है। वाणी कपूर और ऋषि कपूर ने विशेष रूप से फिल्म में कलाकारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशंसा बटोरी। आज विशेष मील के पत्थर पर, परिणीति ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जो फिल्म के सभी मजेदार क्षणों का संकलन था। वीडियो में फिल्म के दृश्यों के साथ-साथ कुछ पर्दे के पीछे के क्षण भी दिखाए गए हैं। अपने कैप्शन में परिणीति ने लिखा कि फिल्म को रिलीज हुए 10 साल हो गए हैं, हालांकि, शूटिंग के दिल छू लेने वाले पल और मजेदार यादें अभी भी ताजा हैं।

फिल्म में कास्ट ना किए जाने पर छलका नाना पाटेकर का दर्द

बूढ़ा हो गया हूं इस लिए वेलकम-3 में नहीं लिया

'द वैक्सीन वॉर' में नाना पाटेकर के अलावा पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और राइमा सेन भी हैं। फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके साथ नाना छह साल के अंतराल के बाद हिंदी फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर लगभग 6 साल से फिल्मों से दूर थे। अब एक बार फिर से बॉलीवुड में अफना कमबैक करने वाले हैं। नाना पाटेकर को आप एक बार फिर से जल्द ही सिनेमाघरों के बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। नाना पाटेकर ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री के साथ मुंबई में एक कार्यक्रम में अपनी आगामी फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' का ट्रेलर जारी किया।

'द वैक्सीन वॉर' में नाना पाटेकर के अलावा पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और राइमा सेन भी हैं। फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके साथ नाना छह साल के अंतराल के बाद हिंदी फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। फिल्म कोरोना महामारी के दौरान वैज्ञानिकों के संघर्ष पर बनायी गयी है। कोरोना काल के दौरान घटिस सच्ची घटना को एक बार फिर से विवेक अग्निहोत्री बड़े पर्दे पर लेकर आने वाले हैं। फिल्म में नाना पाटेकर का अहम रोल है।

'द वैक्सीन वॉर' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान नाना पाटेकर से मीडिया ने फिल्म वेलकम 3 के बारे में भी सवाल किया। वेलकम की पिछली दोनों फिल्मों में नाना पाटेकर ने शानदार काम किया था लेकिन इस बार वह वेलकम 3 यानी (वेलकम टू द जंगल) का हिस्सा नहीं हैं। आखिर वह फिल्म में इस बार क्यों नहीं है। इस पर नाना पाटेकर ने फिल्म में न लिए जाने पर अपना दर्द बयां किया।

नाना पाटेकर ने मंगलवार को 'वेलकम' फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग से अपनी अनुपस्थिति के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'अगर अभिनेता का इरादा अच्छा काम करने का है तो फिल्म उद्योग में भूमिकाओं की कोई कमी नहीं है।' वह कॉमेडी फ्रेंचाइजी का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं, जिसमें 2007 की 'वेलकम' और 2015 की अगली फिल्म 'वेलकम बैक' शामिल है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित दोनों फिल्मों में उन्होंने डॉन उदय शेट्टी की भूमिका निभाई।

तीसरे पार्ट में अक्षय वापसी कर रहे हैं, लेकिन अनिल कपूर और नाना पाटेकर के बिना। अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' के ट्रेलर लॉन्च पर कहा, 'मैं 'वेलकम टू द जंगल' का हिस्सा नहीं हूं। क्योंकि शायद उन्हें ऐसा लगता है कि मैं बुढ़ा हो चुका हूं। इसलिए उन्होंने मुझे नहीं लिया।'

नाना पाटेकर ने आगे कहा कि विवेक अग्निहोत्री को नहीं लगता कि मैं बूढ़ा हो गया हूं, इसलिए उन्होंने मुझे अपनी फिल्म में ले लिया। यह बहुत आसान है। अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं तो इंडस्ट्री आपके लिए कभी बंद नहीं होती। लोग आपके पास आते रहेंगे और आपको ऑफर करते रहेंगे।' यदि आप कड़ी मेहनत करते रहना चाहते हैं। यदि आप कोई भूमिका निभाना चाहते हैं तो आपको यह जानना होगा। आपको यह जानना होगा कि क्या आप काम करना चाहते हैं, काम कर सकते हैं, इसलिए मैं इसे (द वैक्सीन वॉर) अपने पहले और आखिरी मौके के रूप में लेता हूं।'

राखी की हरकतों से गुस्से में आग बबूला हुई गोहर

इस्लाम का अपमान करने पर फातिमा को कहा 'बेशर्म औरत'

अभिनेत्री राखी सावंत अपनी हालिया उमरा यात्रा के बाद एक नए विवाद के केंद्र में आ गई हैं। यह यात्रा जो उन्होंने अपने राखी भाई वाहिद अली खान और भाभी शाइस्ता के साथ की थी, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गरमागरम बहस छेड़ दी है।

अभिनेत्री राखी सावंत अपनी हालिया उमरा यात्रा के बाद एक नए विवाद के केंद्र में आ गई हैं। यह यात्रा जो उन्होंने अपने राखी भाई वाहिद अली खान और भाभी शाइस्ता के साथ की थी, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गरमागरम बहस छेड़ दी है। पिछले हफ्ते अपना पहला उमरा करने वाली राखी सावंत मुंबई लौटने के बाद से अपने पहनावे और व्यवहार को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। सार्वजनिक सैर के दौरान फैंसी बुर्का पहने और भारी मेकअप के साथ उनकी कई तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हुए हैं। इसके बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उन पर इस्लाम का अनादर करने का आरोप लगाया और कई लोग उनके उमरा को 'पब्लिसिटी स्टंट' करार दे रहे हैं। अभिनेत्री गौहर खान ने भी सोशल मीडिया पर अपनी असहमति व्यक्त की। कड़े शब्दों में लिखे गए एक पोस्ट में, बिग बॉस 7 के विजेता ने राखी सावंत को 'बेशर्म प्राणी' कहा और उन पर इस्लाम का अपमान करने का आरोप लगाया। गौहर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, फिर कुछ हारे हुए लोग हैं जो इस्लाम को हल्के में ले रहे हैं और इस पवित्र तीर्थयात्रा का मज़ाक बना रहे हैं जो इस्लाम के विश्वासियों के लिए बहुत पवित्र है। मुझे आश्चर्य है कि एक नाटक का भूखा व्यक्ति यहां कैसे आया और उसने इसका उपयोग और अधिक नाटक बनाने के लिए कैसे किया।

उन्होंने आगे लिखा, एक मिनट में आपने इस्लाम कबूल कर लिया, अगले ही मिनट में ओह, मैंने यह स्वेच्छा से नहीं किया .. क्या बकवास है।

मध्यप्रदेश के गृहमंत्री जी के बड़े भाई आदरणीय डाक्टर श्रीमन दादा (वरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान) पत्रिका

आदरणीय श्री प्रदीप शर्मा जी, अपर सचिव राजस्व मंडल

मध्यप्रदेश ही नहीं आगामी जिन राज्यों मैं विधान सभा चुनाव होने वाले है उन सभी राज्यों मैं बीजेपी की सरकार बनेगी। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी ने हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका एवं साधना न्यूज के लिए, लिए गए साक्षात्कार मैं कही